www.anokhateer.com
anokhateer@gmail.com
पंजीयन क्रमांक-एमपीएचआईएन 69306/1998
Epaper
दैनिक
हरदा एवं नर्मदापुरम् से एक साथ प्रकाशित
अनोखा तीर
निशाने पर हर खबर
24 जनवरी 2026
हरदा, शनिवार
वर्ष-15, अंक - 231, पृष्ठ-8
मूल्य- 2 रुपए
माघ शुक्ल पक्ष - 6
विक्रम संवत् 2082

भोजशाला बसंत पंचमी

10 साल बाद नमाज-पूजा साथ-साथ

- शाम तक हवन-पूजन चला, नमाजियों के साथ रही पुलिस
- श्रद्धालु गद्गद, बोले-आनंदपूर्वक मां वाग्देवी के दर्शन किए

अनोखा तीर, भोपाल/धार।

मध्य प्रदेश के धार में विवादित धार्मिक स्थल भोजशाला में बसंत पंचमी पर शुक्रवार को पूजा और नमाज के लिए विशेष व्यवस्था की गई। हिंदू श्रद्धालुओं ने सूर्योदय के साथ वाग्देवी (सरस्वती) पूजा की। हवन और पाठ सूर्यास्त तक किए जाएंगे। एक अलग क्षेत्र में सुरक्षा के बीच जुमे की नमाज भी अदा कराई गई। आमतौर पर बसंत पंचमी पर पूजा और जुमे के दिन नमाज की अनुमति रहती है, लेकिन दोनों एक दिन पड़ते हैं तो तनाव की स्थिति बनती है। भोजशाला कैंपस और धार शहर में स्थानीय पुलिस के साथ सीआरपीएफ और रैपिड एक्शन फोर्स के 8000 से ज्यादा जवान तैनात हैं। सीसीटीवी, ड्रोन और AI तकनीक से निगरानी की जा रही है। इससे पहले गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने 'हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस' की याचिका पर सुनवाई करते हुए हिंदू पक्ष को सूर्योदय से सूर्यास्त तक वाग्देवी की पूजा की अनुमति दी थी। मुस्लिम पक्ष को दोपहर 1 से 3 बजे तक जुमे की नमाज अदा करने की इजाजत थी। धार जिला प्रशासन ने सोशल मीडिया 'X' पर पोस्ट किया- माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार आज दिनांक 23 जनवरी को बसंत पंचमी के अवसर पर हिंदू समुदाय का परिसर में नियत स्थान पर निर्विघ्न कार्यक्रम चल रहा है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय से प्राप्त दिशा निर्देशों के अनुपालन में मुस्लिम समाज द्वारा नियत किए गए स्थान पर अपनी नमाज 1 बजे से 3 बजे के मध्य निर्विघ्न संपन्न की गई। सभी से शांति एवं लोक व्यवस्था बनाये रखने की अपील की जाती है। भोजशाला में दर्शन के लिए आए सात लोगों को तबीयत खराब होने की वजह से अस्थायी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यहां ड्यूटी पर तैनात एक पुलिसकर्मी को भी ब्लड प्रेशर बढ़ने की वजह से एडमिट कराया गया है। धार से आए युग खंडेलवाल ने कहा- प्रशासन ने बढ़िया इंतजाम किए हैं।

तराना में दो समुदायों में तनाव, बस फूंकी

पूर्व पार्षद की दुकान में लगी आग, भीड़ ने पत्थर बरसाए

अनोखा तीर, उज्जैन।

उज्जैन के तराना में गुरुवार रात को हुआ विवाद शुक्रवार दोपहर बाद आगजनी में

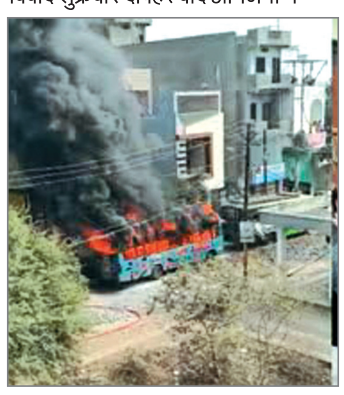

बदल गया। एक दुकान में आग लग गई। इसके बाद अज्ञात लोगों ने बस फूंक दी। हालात तब और बिगड़ गए, जब लोग एक-दूसरे पर पथराव करने लगे। इस बीच पुलिस से बहस भी हुई। पथराव में एक युवक घायल हुआ है। बता दें तराना में रात को एक युवक से मारपीट के बाद दो समुदाय आमने-सामने आ गए और 11 बसों में तोड़फोड़ की गई थी। हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने सुबह फिर से तराना थाने का घेराव किया। उन्होंने आरोपियों का जुलूस निकालकर उनके घर तोड़ने की मांग की। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ता थाने पहुंचे और नारेबाजी शुरू कर दी। सुरक्षा के नजरिए से शुक्रवार को बाजार बंद रखा गया और भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है। जुमे की नमाज सुरक्षा के बीच कराई गई। तराना तहसील में पूरे विवाद की शुरुआत तब हुई जब राम मंदिर के पास सुखला गली में एक हिंदूवादी नेता सोहेल ठाकुर पर कुछ लोगों ने हमला कर दिया। इसके बाद यहां हंगामा बढ़ने लगा और शाम को कुछ लोगों ने पथराव और आगजनी कर दी। पुलिस ने किसी तरह स्थिति को काबू करते हुए बीएनएस की धारा 163 लागू कर दी थी।

रातापानी टाइगर रिजर्व में नजर आए बाघ के दुश्मन ढोल

सोशल मीडिया पर साझा हुई तस्वीरें; 2026 की छठी प्रजाति, जो कैमरे में रिकॉर्ड

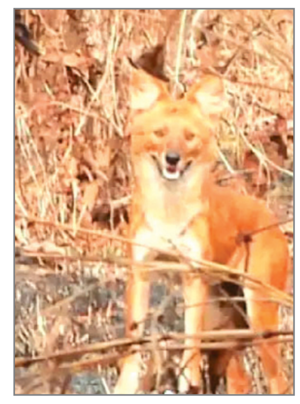

अनोखा तीर, भोपाल। भोपाल से सटे रातापानी टाइगर रिजर्व में गुरुवार को संकटग्रस्त (एंडेंजर्ड) प्रजाति के वन्य प्राणी ढोल डॉग की साइटिंग हुई है। इसकी तस्वीर शुक्रवार को रातापानी टाइगर रिजर्व के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल से साझा की गई। टाइगर रिजर्व अधिकारियों के अनुसार, जंगल के दृष्टिकोण से यह बेहद सकारात्मक संकेत है। इससे आने वाले समय में न केवल टाइगर रिजर्व की जैव विविधता में वृद्धि होगी, बल्कि भोपाल में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। इससे रातापानी टाइगर रिजर्व को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिलने की संभावना है। साल 2026 में अब तक यह छठी वन्य प्राणी प्रजाति है, जो कैमरे में कैद हुई है। इससे पहले बाघ, भालू, भेड़िया, तेंदुआ, गिद्ध और कई दुर्लभ पक्षी भी वन्यजीव प्रेमियों, वाइल्डलाइफ एक्सपर्ट्स और वन विभाग के स्टाफ के कैमरों में कैद हो चुके हैं।

बाघ का शिकार छीनने के लिए मशहूर हैं ढोल

ढोल एशियाई जंगली कुत्ते की प्रजाति है। यह लाल-भूरे रंग का, फुर्तीला और सामाजिक जानवर है। जो 14 से 20 के झुंड में रहता है। यह IUCN की रेड लिस्ट में यानी लुप्त-प्राय के रूप में सूचीबद्ध हैं। यह बड़े खुरदार जानवरों जैसे हिरण और सांभर का शिकार करते हैं। कभी-कभी बाघों या भालुओं से भी शिकार छीन लेते हैं। इसी वजह से वन्यप्राणी प्रेमियों में इनको लेकर खासा इंट्रेस्ट है।

40 हजार आयुष्मान कार्ड डिसेबल, 24 करोड़ के क्लेम रिजेक्ट

- एमपी में हुई सबसे ज्यादा कार्रवाई, अस्पतालों से वसूले 2.15 करोड़ रुपए

अनोखा तीर, भोपाल। सरकार की आयुष्मान योजना में सिर्फ इलाज ही नहीं, बल्कि फर्जीवाड़ा भी बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। स्थिति यह है कि अस्पतालों ने मरीजों को भर्ती दिखाकर करोड़ों रुपए के क्लेम फाइल किए। ऐसे लोगों के कार्ड एक्टिव रखे गए जो अस्पताल तक नहीं पहुंचे और कुछ अस्पताल बंद रहने के बावजूद इलाज का बिल बनाते रहे।

स्थिति का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि दक्ष आयुष्मान फ्रेमवर्क के तहत अब तक मध्यप्रदेश में 104 अस्पतालों पर कार्रवाई की गई है। करीब 40 हजार कार्ड डिसेबल कर क्लेम रिजेक्ट तक कर दिए गए।

- **मध्यप्रदेश एंटी-फ्रॉड कार्रवाई में देश में नंबर वन-** आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश को एंटी फॉड एक्शन कैटेगरी में देश के सर्वश्रेष्ठ राज्य का दर्जा मिला हुआ है। इस सम्मान का आधार बना 'दक्ष आयुष्मान' फ्रेमवर्क, जिसके जरिए आयुष्मान योजना में फ्रॉड, दुरुपयोग और गलत बिलिंग पर जीरो टॉलरेंस की नीति लागू की गई है। यह फ्रेमवर्क प्रिवेंशन (रोकथाम), डिटेक्शन (पहचान) और डिटरेंस (कड़ी कार्रवाई) तीन बेसिक पिलर्स पर बनाया है।

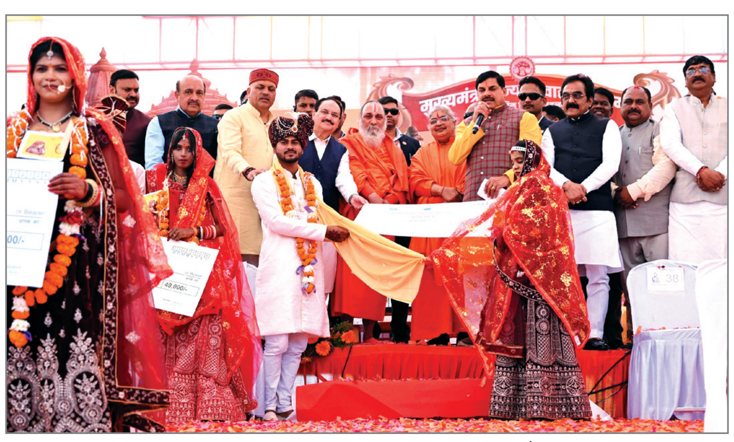

भारत की सांस्कृतिक समृद्धि में बंगाली समाज का योगदान है महत्वपूर्ण : सीएम

- हमें बंगाल और उसके गर्व को कभी नहीं करना चाहिए विस्मृत : मंत्री जेपी नड्डा
- सीएम बोले-नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने जनसामान्य को राष्ट्रीय आंदोलन से जोड़ा

अनोखा तीर, भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सिद्धि बाला बोस लाइब्रेरी ने 100 गौरवशाली वर्षों की स्मृतियों को सहेजने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। इस एसोसिएशन ने बंगाली समाज और जबलपुर की कला, संस्कृति और ऐतिहासिक विरासत को संरक्षण प्रदान किया है। सिटी बंगाली क्लब में स्वयं नेताजी का आना इस क्षेत्र के लिए गौरवशाली क्षण रहा। सिटी बंगाली क्लब ने बालिका शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। राज्य सरकार, स्कूल एवं उच्च शिक्षा को प्रोत्साहन देने के लिए सदैव क्लब के साथ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक समृद्धि में बंगाली समाज का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बंकिमचंद्र चटर्जी ने वंदे मातरम् की रचना कर देशवासियों को एक सूत्र में पिरोया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर से धारा 370 का कलंक मिटा और आज जम्मू-कश्मीर भारत का मोर मुकुट बन रहा है।

प्रकृति में बसंत का मौसम, ऋतुओं का राजा है- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रकृति में बसंत का मौसम, ऋतुओं का राजा है। उन्होंने शुक्रवार को बसंत पंचमी की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रसन्नता और गर्व का विषय है कि आज नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस को नमन कर कहा कि नेताजी ने आजाद हिंद फौज के माध्यम से भारत की आजादी में अहम भूमिका निभाई। 'तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा' का नारा देकर उन्होंने जनसामान्य को राष्ट्रीय आंदोलन से जोड़ा।

देश की आजादी में बंगाल की अहम् भूमिका : नड्डा

केंद्रीय लोक स्वास्थ्य एवं रसायन मंत्री श्री जेपी नड्डा ने बसंती पंचमी की बधाई के साथ नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर उन्हें नमन कर कहा कि नेताजी वर्ष 1939 में जबलपुर आए थे। भारत रत्न से सम्मानित पूर्व राष्ट्रपति स्व. प्रणब मुखर्जी भी सिटी बंगाली क्लब से जुड़े थे। हमें बंगाल और उसके के गर्व को कभी भूलना नहीं चाहिए। देश की आजादी में बंगाल की अहम भूमिका रही है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने वंते मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर संसद में विशेष चर्चा करवाई। राष्ट्रगान जन गण मन को भी पूर्ण सम्मान दिया जा रहा है। दिल्ली में कर्तव्य पथ पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा स्थापित की गई है। बंगाली भाषा को क्लासिकल लैंग्वेज का दर्जा दिया गया है। यूनेस्को में दुर्गा पूजा को शामिल कराया गया है।

इंदौर में दूषित पानी से 26वीं मौत

- भागीरथपुरा के बुजुर्ग को 17 जनवरी को भर्ती कराया था, इलाज के दौरान दम तोड़ा

अनोखा तीर, इंदौर।

इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से शुक्रवार को एक और मौत हो गई। 63 साल के बद्री प्रसाद को उल्टी-दस्त की शिकायत के बाद 17 जनवरी को अरविंदो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बद्री प्रसाद को टीबी की बीमारी भी थी। इन्हें मिलाकर भागीरथपुरा में अब तक 26 लोगों की मौत हो चुकी है।

भागीरथपुरा में दूषित पानी से मौत का सिलसिला थम नहीं रहा है। अब अरविंदो अस्पताल में 10 लोग भर्ती हैं। एक मरीज वेंटिलेटर पर है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, भर्ती मरीजों में से 8 दूसरी बीमारियों से भी पीड़ित हैं।

- **70 प्रतिशत हिस्से का काम इस माह होगा पूरा-** भागीरथपुरा दूषित पानी कांड के मामले में क्षेत्र के 30 प्रतिशत हिस्से में रोज एक दिन छोड़कर पानी सप्लाई शुरू हो गया है। इसके साथ ही नियमित टेस्टिंग हो रही है। हालांकि, अभी रहवासियों का विश्वास कायम होने में समय लगेगा। अधिकांश रहवासी तो आरओ और टैंकर का पानी ही उपयोग कर रहे हैं। बाकी 70 प्रतिशत हिस्सों में जो पाइपलाइन का काम चल रहा है, वो इस माह पूरा हो जाने की उम्मीद है।
- **इस महीने पाइपलाइन का काम पूरा होगा-** दरअसल, जहां काम शुरू हुआ उसमें 30 प्रतिशत हिस्सा वह है जहां दो साल पहले मुख्य पाइप लाइन डाली गई थी। इसमें लीकेज चेक करने के साथ एक दिन छोड़कर पानी सप्लाई शुरू हो गई है। क्षेत्रीय पार्षद कमल वाघेला के मुताबिक बाकी 70 प्रतिशत हिस्से में नई मेन पाइप लाइन डालने का तेजी से चल रहा है।
- **टैंकर से घरों तक पानी पहुंचाया जा रहा-** क्षेत्र में रोज 50 से ज्यादा टैंकरों से पानी वितरण किया जा रहा है। कुछ हिस्सों में पाइपलाइन काम के चलते टैंकर गलियों के नजदीक तक पहुंचाए जा रहे हैं।

प्रदेश के 8 जिलों में बारिश का अलर्ट

- ग्वालियर, चंबल-सागर संभाग में मावठा गिरेगा

अनोखा तीर, भोपाल। मध्यप्रदेश के 8 जिलों में अगले 24 घंटे में बारिश का अलर्ट है। इनमें ग्वालियर, श्योपुर, भिंड, मुरैना, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़ और छतरपुर जिले शामिल हैं। वहीं, भोपाल, इंदौर और उज्जैन संभाग में बादल छा सकते हैं। इससे पहले भोपाल समेत कई जिलों में बादल छाए रहे। इससे दिन में गर्मी का असर कम हुआ है। देश के पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी होने के बाद बारिश और ओलावृष्टि की चेतावनी है। वहीं, वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) भी असर दिखा रहा है। इस वजह से एमपी में भी मौसम का मिजाज अचानक बदल गया है।

भोपाल, नर्मदापुरम, सीहोर, रायसेन, विदिशा समेत कई जिलों में बादल छा गए थे। वहीं, सर्द हवा चलने लगी। शुक्रवार को भोपाल में बारिश होने का अलर्ट नहीं है, लेकिन बादल जरूर छाए रहेंगे।

पाइप फैक्ट्री में आग, 4 घंटे बाद भी नहीं बुझ पाई थी

- छिंदवाड़ा में रॉ मटेरियल जलकर खाक

अनोखा तीर, छिंदवाड़ा।

छिंदवाड़ा के इमलीखेड़ा इंडस्ट्रियल एरिया में शुक्रवार को एक पाइप निर्माण फैक्ट्री में अचानक भीषण आग लग गई। पाइप बनाने वाला रॉ मटेरियल जलकर खाक हो गया। मौके पर बुलाई आसपास की फायर ब्रिगेड से आग पर काबू नहीं पाया जा सका। नागपुर से फायर ब्रिगेड बुलाई गई है।

आग लगने के बाद उससे निकलने वाला काला धुआं करीब 3 किलोमीटर दूर से दिया। 4 घंटे बाद भी आग लगी हुई है। प्रारंभिक आकलन में करीब 80 लाख रुपए के नुकसान की बात सामने आ रही है।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस बल भी घटनास्थल पर तैनात किया गया है। राहत कार्य अब भी जारी है। टीम दीवर तोड़ कर अंदर जाने का प्रयास कर रही थी इसी दौरान बचाव कार्य में जुटी टीम पर मधुमक्खियों ने हमला कर दिया।

सार-समाचार

निःशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन 20 अप्रैल को

अनोखा तीर, करताना। क्षत्रिय यदुवंशी जादम समाज सेवा समिति जिला के तत्वावधान में 31 जोड़ों का निशुल्क सामूहिक विवाह महोत्सव 20 अप्रैल अक्षय तृतीया के अवसर पर ग्राम गोदड़ी में आयोजित किया जाएगा। समिति अध्यक्ष मोनू पटेल ने बताया कि इस सम्मेलन में हरदा सहित खंडवा, नर्मदापुरम एवं अन्य जिलों से भी सामाजिक बंधु शामिल होंगे। कार्यकारी अध्यक्ष आकाश यदुवंशी ने जानकारी दी कि निशुल्क विवाह सम्मेलन में शामिल होने वाले सामाजिक जोड़े 25 जनवरी से विवाह सम्मेलन के लिए पंजीयन करा सकते हैं। आयोजन की तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं और समाज के लोगों से अधिक से अधिक सहभागिता की अपील की गई है।

स्कूलों में बसंत पंचमी पर मां सरस्वती का हुआ पूजन अर्चन

अनोखा तीर, रहटगांव। शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं में बसंत पंचमी के अवसर पर मां सरस्वती की पूजा-अर्चना ज्ञान, कला और विद्या के प्रति समर्पण भाव के साथ हर्षोल्लास से की गई। इस अवसर पर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा सरस्वती वंदना तथा विद्यारंभ का आयोजन किया गया। मां सरस्वती की मूर्तियों एवं चित्रों के

समक्ष पुष्पमालाएं, फूलों के गुच्छे एवं पुस्तकें रखकर विद्या का आशीर्वाद मांगा गया। खमगांव सिंधखेड़ा सहित क्षेत्र की शालाओं में छात्र-छात्राओं ने विधिविधान से पूजा-अर्चना की। इस दौरान संकुल प्राचार्य प्रभारी सिद्धार्थ जोशी, जमुना प्रसाद पाटील, मुकेश राजगीरे, अनिता कुशवाहा, पवन गौर, नितिन गौर सहित समस्त शाला स्टाफ उपस्थित रहा। सभी ने विद्यार्थियों को ज्ञानार्जन एवं संस्कारों के मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

झाड़बीड़ा में श्री रामलीला महोत्सव का शुभारंभ आज

अनोखा तीर, रहटगांव। शशि रामलीला मंडल झाड़बीड़ा द्वारा ग्राम झाड़बीड़ा में श्री रामलीला महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन आज 24 जनवरी से 1 फरवरी तक होगा। प्रतिदिन रात्रि 8 बजे

रामलीला का मंचन किया जाएगा। रामलीला महोत्सव का शुभारंभ 24 जनवरी शनिवार को राम जन्म, मुनि आगमन एवं ताड़का वध के प्रसंग से होगा। वहीं 1 फरवरी को मेघनाथ वध, रावण वध एवं राम राजतिलक के साथ महोत्सव का समापन किया जाएगा। रामायण प्रवक्ता रविशंकर गौर व्यास ने बताया कि विगत कई वर्षो से ग्राम में रामलीला महोत्सव का आयोजन निरंतर किया जा रहा है। रामलीला समिति ने क्षेत्रवासियों से आग्रह किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में रामलीला में उपस्थित होकर भगवान श्रीराम की लीलाओं का आनंद लें एवं कलाकारों का उत्साहवर्धन करें।

मसनगांव सेक्टर में ग्रामोत्सव के अंतर्गत सेक्टर व पंचायत स्तरीय कार्यक्रम

अनोखा तीर, मसनगांव। ग्रामोत्सव अंतर्गत सेक्टर स्तरीय कार्यक्रम मसनगांव एवं ग्राम झाड़पा नवीन में आयोजित किया गया। मसनगांव में नशामुक्ति की शपथ अभियान का आयोजन किया गया, जबकि झाड़पा नवीन में मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित की गई। ग्रामोदय से अभ्युदय मध्यप्रदेश अभियान के तहत मध्यप्रदेश जनभियान परिषद की

ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति एवं नवोदय आरोग्यम वेलफेयर सोसायटी नवांकुर संस्था द्वारा आज ग्राम मसनगांव में नशामुक्ति की शपथ एवं झाड़पा नवीन में मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मसनगांव शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं ग्राम झाड़पा नवीन के आंगनबाड़ी केंद्र में आयोजित किया गया, जिसमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। ग्राम की महिलाओं और पुरुषों ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि के रूप में पूर्व सरपंच योगेश पटेल, विकास खंड समन्वयक राकेश वर्मा, कृषि विज्ञान केंद्र से मुकेश कुमार, दीपेश गजानंद, ग्राम सचिव अरविंद कुशवाह, मसनगांव शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रधान शिक्षक सी.पी. सोनी, शिक्षक पूनमचंद घाटे, तथा समस्त स्टाफ, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती उर्मिला विश्नोई, सहायिका श्रीमती चिंता, आशा कार्यकर्ता श्रीमती सकुन बाई उपस्थित रहे। नवोदय आरोग्यम वेलफेयर सोसायटी से प्रहलाद नागवे एवं परामर्शदाता संजय ठाटे, दीनबंधु गौर, नगर विकास प्रस्फुटन समिति के दीपांशु जी सोनी तथा प्रस्फुटन समिति से दीपक सोलंकी एवं सदस्य भी उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत में हुई युवक कांग्रेस की कार्यकर्ता बैठक

अनोखा तीर, सोडलपुर। युवक कांग्रेस के नेतृत्व में शुक्रवार को चलो ग्राम पंचायत के अंतर्गत कार्यकर्ता बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में संगठन को मजबूत करने और जनहित के मुद्दों पर सक्रियता

बढ़ाने पर जोर दिया गया। जिला अध्यक्ष मोहन साईं ने बताया कि संगठन को मजबूत करने के लिए बूथ स्तर तक पहुंचकर कार्यकर्ताओं को सक्रिय करना आवश्यक है। विधानसभा प्रभारी डॉ. रमेश काकोडिया ने सामाजिक ढांचे को मजबूत करने तथा मनरेगा के सम्मान को बनाए रखने की लड़ाई को मजबूती से लड़ने पर जोर दिया।

युवा उपभोक्ता कल्याण समिति...

ग्रामों में डोर-टू-डोर जाकर किया शासन की योजनाओं का प्रचार-प्रसार

अनोखा तीर, खिरकिया। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की चयनित संस्था युवा उपभोक्ता कल्याण समिति द्वारा नवांकुर सेक्टर-02 मांदला के अंतर्गत ग्रामोदय से अभ्युदय अभियान के तहत ग्रामीण अंचलों में डोर-टू-डोर संपर्क कर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया गया। अभियान के अंतर्गत सोनपुरा, जूनापानी एवं दीपगांव गांवों में पहुंचकर ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी दी गई। जिला अध्यक्ष संजय गंगराड़े ने बताया कि ग्रामोदय से अभ्युदय अभियान मध्य प्रदेश सरकार का एक महत्वपूर्ण अभियान है, जिसके माध्यम से 16 विभागों द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे हितग्राहियों तक पहुंचाने का उद्देश्य है। इस अभियान का लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं आर्थिक विकास को बढ़ावा देना, साथ ही सामाजिक समरसता और नागरिक सेवा भाव को सशक्त करना है। अभियान के तहत शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी पात्र परिवारों तक पहुंचाई जा रही है, ताकि वे ग्राम पंचायत स्तर पर आवेदन कर योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें।

युवा उपभोक्ता कल्याण समिति के सदस्य गांव-गांव जाकर ग्रामीणों से संपर्क कर उनकी समस्याएं सुन रहे हैं और समाधान के लिए उन्हें संबंधित योजनाओं से अवगत करा रहे हैं। इसके साथ ही स्कूलों में छात्र-छात्राओं से भी संपर्क किया गया, जहां उन्हें शासन द्वारा संचालित विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं की जानकारी दी गई। जिन छात्र-छात्राओं को अभी तक छात्रवृत्ति का लाभ नहीं मिल पाया है, उन्हें ग्राम पंचायत के माध्यम से आवेदन कर लाभ प्राप्त

करने की प्रक्रिया समझाई गई। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य यह है कि शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम छोर तक पहुंच सके। इस अवसर पर युवा उपभोक्ता कल्याण समिति के सदस्य संजय नामदेव, दीपेंद्र देवड़ा, ग्रामीणजन, शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

शोध प्रविधि ज्ञान को प्रमाणिकता देने की वैज्ञानिक प्रक्रिया : डॉ. पवन मिश्रा

अनोखा तीर, टिमरनी। महाविद्यालय में आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी ज्ञान, अनुसंधान तथा अकादमिक गुणवत्ता संवर्धन का एक महत्वपूर्ण मंच बनकर उभरी। संगोष्ठी में 100 से अधिक विद्यार्थियों सहित देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए शोधार्थियों ने ऑफलाइन माध्यम से सहभागिता की। संपूर्ण महाविद्यालय परिवार की सक्रिय उपस्थिति से कार्यक्रम गरिमामय एवं शैक्षणिक वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों के आगमन पर भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। बसंत पंचमी के पावन अवसर पर मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पण कर ज्ञान और विद्या की आराधना की गई। इस अवसर पर विद्यार्थियों एवं स्टाफ को मतदाता जागरूकता शपथ भी दिलाई गई, जिसमें सभी ने लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति सजग रहने और मतदान के महत्व को समाज तक पहुंचाने का संकल्प लिया। इसके पश्चात छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया तथा विधिवत सरस्वती पूजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में शोध विषय पर आधारित स्मारिका का विमोचन किया गया, जिसमें 40 से अधिक शोधार्थियों द्वारा प्रेषित शोध सार प्रकाशित किए गए। मुख्य अतिथि डॉ. पवन मिश्रा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं प्रॉक्टर, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि शोध प्रविधि ज्ञान को

प्रमाणिकता प्रदान करने की वैज्ञानिक प्रक्रिया है। उन्होंने शोध नैतिकता, मौलिकता एवं विश्वसनीय डेटा संकलन को गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान की आधारशिला बताते हुए विद्यार्थियों को व्यवस्थित शोध पद्धति अपनाने की प्रेरणा दी। डॉ. अनंत कुमार सक्सेना ने शोध को समाजोपयोगी बनाने पर बल देते हुए कहा कि अनुसंधान का उद्देश्य सामाजिक समस्याओं के समाधान की दिशा में सार्थक योगदान देना होना चाहिए। डॉ. अपर्णा सिंहल ने आधुनिक शोध प्रविधियों, अंतर्विषयक दृष्टिकोण तथा नवाचार की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए युवा शोधार्थियों को विश्लेषणात्मक दृष्टि विकसित करने का संदेश दिया। द्वितीय सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. सुनील बोरासी उपस्थित रहे तथा अध्यक्षता डॉ. संजय पटवा ने की। उन्होंने शोध संस्कृति को उच्च शिक्षा संस्थानों की पहचान बताते हुए विद्यार्थियों को प्रारंभिक स्तर से ही अनुसंधान उन्मुख बनने की प्रेरणा दी। इस सत्र में डॉ. पवन नामदेव द्वारा संगोष्ठी प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। संगोष्ठी का महत्वपूर्ण भाग शोध-पत्र प्रस्तुति सत्र रहा, जिसमें विभिन्न राज्यों एवं संस्थानों से आए शोधार्थियों ने अपने मौलिक शोध कार्य प्रस्तुत किए। प्रस्तुत शोध पत्रों में समसामयिक शैक्षणिक विषयों, सामाजिक परिप्रेक्ष्य, शोध पद्धति, नवाचार तथा क्षेत्रीय अध्ययन से जुड़े विविध आयामों पर विचार रखे गए। प्रस्तुति के दौरान शोधार्थियों ने अपने निष्कर्ष तथ्यों एवं विश्लेषण के आधार पर प्रस्तुत किए, जिन पर विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन एवं संवाद भी हुआ। शोध-पत्र प्रस्तुत करने वालों में आशीष तिवारी (हरदा डिग्री कॉलेज, हरदा), अभिलाषा टांक, डॉ. अनंता हालदार (हावड़ा, पश्चिम बंगाल), आनंद वर्मा (हरदा डिग्री कॉलेज), डॉ. शिवनाथ शर्मा (रीवा), डॉ. रश्मि रजक (मंडला), डॉ. दीपिका सेठ (इंदौर), यशोधन आखरे (सीहोर), डॉ. आनंद कटारे (झांसी), डॉ. मनोरमा चौहान, आयुष बोरासी (बीएसबी टिमरनी), पूजा दमादे (बीएसबी) एवं अंजली (बीएसबी) प्रमुख रूप से शामिल रहे। विशेषज्ञों ने शोधार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में और गहन अनुसंधान के लिए प्रेरित किया। पीएम उषा प्रभारी डॉ. अरुण कुमार सिकरवार ने संगोष्ठी की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए आयोजन समिति को बधाई दी और कहा कि इस प्रकार के आयोजन महाविद्यालय की शोध उन्मुख पहचान को सुदृढ़ करते हैं। प्राचार्य डॉ. जे.के. जैन की गरिमामयी उपस्थिति कार्यक्रम की विशेष विशेषता रही। संयोजक मीनाक्षी यादव ने संगोष्ठी के विषय आयामों पर प्रकाश डाला। डॉ. शीतल श्रीवास द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

सरस्वती शिशु मंदिर में विद्यारंभ संस्कार संपन्न

बसंत पंचमी पर बच्चों ने किया शिक्षा का शुभारंभ

अनोखा तीर, टिमरनी। बसंत पंचमी के पावन अवसर पर सरस्वती शिशु मंदिर में विद्यारंभ संस्कार कार्यक्रम श्रद्धा एवं उल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ. श्रेया राहुल अग्रवाल ने अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि बसंत पंचमी केवल पीले वस्त्र पहनने या पीला भोजन ग्रहण करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पर्व क्यों मनाया जाता है, इसका भाव और महत्व भी प्रत्येक व्यक्ति को समझना चाहिए। उन्होंने बताया कि इसी दिन वीणापाणी मां सरस्वती का प्राकट्य हुआ था और सृष्टि की रचना के बाद माता सरस्वती ने ही चराचर जगत को स्वर प्रदान किए। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती एवं वेदों के समक्ष पूजा-अर्चना से किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की बहनों, दीदियों एवं अभिभावकों द्वारा नगर में कलश एवं वेद यात्रा निकाली गई। विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य चंद्रकांत दुबे ने वैदिक विधि से नन्हे-नन्हे शिशुओं का विद्यारंभ संस्कार कराया। शिशुओं ने अपने अभिभावकों के साथ हवन कुंड में आहुतियां दीं तथा प्रणवाक्षर 'ऊँ' लिखकर औपचारिक रूप से शिक्षा का प्रारंभ किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विद्यालय की पूर्व छात्रा पूजा साकल्ले रहीं, जो वर्तमान में अमेरिका के टेक्सास शहर में निवासरत हैं। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि सरस्वती शिशु मंदिर संस्कारों के लिए जाना जाता है और मोबाइल व इंटरनेट के इस युग में ऐसे संस्कारों की अत्यंत आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि छह वर्ष की आयु तक दिए गए संस्कार ही शिशु के भविष्य को दिशा और सार्थकता प्रदान करते हैं। विद्यालय के प्रचार प्रभारी संजय अग्रवाल ने बताया कि इस आयोजन में 198 अभिभावकों ने सहभागिता की। बसंत पंचमी के इस पावन अवसर पर विद्यालय की पूर्व छात्रा एवं अधिवक्ता संजना उपाध्याय, छात्र एवं व्यवसायी श्रीकांत गोयल, डॉ. प्रणय शर्मा एवं संदीप अजनेरिया ने भी अपने शिशुओं का विद्यारंभ संस्कार कराकर विद्यालय में प्रवेश कराया। अतिथियों का परिचय रश्मि तिवारी ने दिया तथा कार्यक्रम का संचालन अभिलाषा चंदेल ने किया। आभार निधि मिश्रा ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में विद्यालय समिति के अध्यक्ष डॉ. विवेक भुस्कुटे, व्यवस्थापक आनंद मुजुमदार, प्राचार्य बसंत पटेल, प्रधानाचार्य सरिता गहलोत सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

सांध्य छाया ओल्ड एज होम प्रदेश में अभिनव पहल

अनोखा तीर, भोपाल। बदलते सामाजिक परिवेश में छोटे होते परिवार, इनमें वृद्धजन की देखरेख, स्वास्थ्य सुरक्षा और एकांकीपन एक बड़ा प्रश्न बनकर हमारे सामने आया है, हमें समाज और अपने आसपास ऐसे अनेक उदाहरण देखने या पढ़ने को मिल रहे है जिनमें बच्चे रोजगार की तलाश में मेट्रोपोलिटन शहर में या विदेशों में चले गये है और उनके वृद्ध माता-पिता घरों में एकांकी जीवन व्यतीत कर रहे है। उनकी देखरेख करने वाला कोई नहीं है। आर्थिक सम्पन्नता होते हुए भी सामाजिक और परिवारिक वातावरण से दूर रहने के लिये मजबूर है। ऐसे वरिष्ठजन के लिए सामाजिक न्याय दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा लगभग 24 करोड़ रूपये की लागत से भोपाल में बनाया पेड ओल्ड एज होम एक अभिनव प्रयोग के रूप में तैयार हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 24 जनवरी को इसका विधिवत लोकार्पण कर, वृद्धजनों को सौपेंगे।

भोपाल में यह वृद्धाश्रम पत्रकार कॉलोनी लिंक रोड न. 3 पर स्थित है। यह पाँच एकड़ से अधिक भूमि पर बना है, इसमें 12 सिंगल बेड, 22 डबल बेड, कुल 34 कमरें है। इसमें 56 वरिष्ठजनों के रहने की उत्तम व्यवस्था है। भवन में वातानुकूलित कमरें, टीवी, फ्रिज, गर्म एवं ठंडा पानी, निजी बालकनी की व्यवस्था प्रत्येक रूम में है। स्वास्थ्य सेवाएँ- डॉक्टर परामर्श की सुविधा है। भवन में फिजियोथेरिपी सेंटर, आपातकालीन चिकित्सा सहायता सुविधा भी दी गई है। वरिष्ठजनों के मनोरंजन एवं लाइब्रेरी, ओपन मेस, डाइनिंग हॉल ओर वरिष्ठजनों के लिये विशेष रूप से डिजाइन किया गया पाथ-वे, प्रत्येक कमरे में अटैच बाथरूम, इन सभी में काल बेल, इंटरकाम, टेलीफोन की व्यवस्था दी गई है। आश्रम में सुरक्षा के भी व्यापक इंतजाम किए गए हैं। 'सांध्य छाया' के संचालन में सामाजिक भागीदारी दर्ज कराते हुए सेवा भारती मध्य भारत को इसके संचालन का जिम्मा दो वर्षो के लिए दिया गया है। वृद्धाश्रम में रहने वाले वरिष्ठजन को प्रतिमाह कमरे के आकार के अनुसार पृथक पृथक राशि देनी होगी। एक डबल बेड 60 स्का. मीटर- 39490 रूपये, डबल बेड रूप 90 स्का. मीटर 43490 रूपये, डबल बेड 56.5 स्का. मीटर 38490 रूपये, सिंगल बेड 49.2 स्का. मीटर 49990, सिंगल बेड 35 स्का. मीटर 47990 रूपये तथा सिंगल बेड 33.5 स्का. मीटर 45990 रूपये प्रतिमाह चार्ज देना होगा। उल्लेखनीय है कि इसके अतिरिक्त प्रदेश में सामाजिक न्याय विभाग द्वारा 83 वृद्धाश्रम संचालित किए जा रहे है। इनमें अभी 2 हजार 300 वृद्धजन निवासरत है। यह सभी रहवासियों को निःशुल्क रहने, भोजन, कपड़े, स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराते है। इसके बाबजूद आर्थिक रूप से सम्पन्न वरिष्ठजनों के लिए यह पेड ओल्ड एज होम एक अभिनव पहल है। राज्य शासन की मंशा भविष्य में पीपीपी मॉडल पर सशुल्क वृद्धाश्रम करने की है। इसके लिए राज्य सरकार नवीन नीति बनाने पर कार्य कर रही है।

राष्ट्रीय किशोरी बालिका दिवस मनाया

अनोखा तीर, सोडलपुर। ग्राम के शासकीय टोडरमल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में शुक्रवार को राष्ट्रीय किशोरी बालिका दिवस के अवसर पर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किशोरियों को शिक्षा का अधिकार, स्वास्थ्य तथा आत्मनिर्भरता के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम में प्रभारी परियोजना अधिकारी संगीता राजपूत ने बालिकाओं को कौशल विकास, दक्षता उन्नयन, लाड़ली लक्ष्मी योजना एवं प्रधानमंत्री योजनाओं की जानकारी दी।

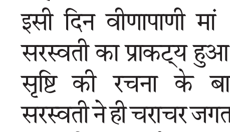

भगवान तक पहुंचने का माध्यम है कथा श्रवण : पं. अभिषेक शर्मा

अनोखा तीर, रहटगांव। सिद्ध श्री खेड़ापति माता मंदिर पर आयोजित सार्वजनिक सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन पंडित अभिषेक शर्मा ने कहा कि भागवत कथा का श्रवण भगवान तक पहुंचने का मार्ग प्रशस्त करता है और मानव जीवन को सार्थक दिशा देता है। कथा व्यास ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का विस्तृत वर्णन किया। इसमें नंदोत्सव, माखन चोरी, पूतना वध एवं कालिया नाग दमन के प्रसंग सुनाए गए। उन्होंने बताया कि श्रीकृष्ण के जन्म का समाचार मिलते ही नंदगांव में आनंद का वातावरण बन गया और गोकुलवासियों ने उत्सव मनाया। पंडित अभिषेक शर्मा ने कहा कि श्रीकृष्ण की लीलाएं केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि गहन आध्यात्मिक संदेश भी देती हैं। उन्होंने बताया कि माखन चोरी का आशय मन की चोरी से है, कन्हैया ने अपने भक्तों के मन को चुराकर उन्हें प्रेम और भक्ति के रस में सराबोर किया। बाल लीलाओं के वर्णन से उपस्थित श्रोता वात्सल्य भाव में डूब गए। कथा में पूतना वध एवं गोवर्धन लीला का भी वर्णन किया गया। बताया गया कि भगवान इंद्र के घमंड को चूर करने के लिए श्रीकृष्ण ने अपनी कनिष्ठा अंगुली पर गोवर्धन पर्वत उठाकर ब्रजवासियों की रक्षा की। कार्यक्रम में पूजा-अर्चना दीपक शर्मा द्वारा की गई। मुख्य यजमान सहित बड़ी संख्या में कथा प्रेमी उपस्थित रहे।

तत्वज्ञ पूज्य धर्मेंद्र मुनि का 28वां दीक्षा दिवस मनाया

एकासना तप हुआ, प्रभावना का वितरण

अनोखा तीर, खिरकिया। खिरकिया मांगलिक भवन में विराजित तत्वज्ञ पूज्य धर्मेंद्र मुनि महाराज साहब के 28वें दीक्षा दिवस पर तप-आराधना का भव्य आयोजन किया गया। धर्मसभा में उन्होंने जीवन, धर्म और आत्मा की गरिमा पर महत्वपूर्ण विचार प्रस्तुत किए। पूज्य धर्मेंद्र मुनि ने कहा कि यह शरीर अनित्य है, असूचीमय है और असूची को उत्पन्न करने वाला है। यह हमेशा रहने वाला नहीं है, यह केवल एक क्षणिक आवरण है। इसी शरीर से जीव पाप करता है, काया से पाप कम करता है लेकिन मन से अधिक पाप करता है। युवावस्था में अहंकार और मदमस्ती अधिक होती है। आज की पीढ़ी में समय का महत्व कम हो गया है, पहले 16 समायिक का पालन होता था, अब 11 और 5 पर आ गया है। उन्होंने कहा कि सस्ते में सब कुछ मिलना, मानक गिरा देता है और हर चीज नकली हो गई है। इंसान, धर्म, डॉक्टर और दवाइयां भी नकली हो गई हैं। उन्होंने बताया कि जिस प्रकार दवा शरीर के लिए आवश्यक है, उसी प्रकार धर्म आत्मा की दवा है। आजकल जनरेशन गैप बढ़ गया है, युवा स्वयं को बहुत बुद्धिमान समझते हैं। यौवन की मगरूरी स्थायी नहीं है, इसलिए घमंड नहीं करना चाहिए और व्यवहार खराब नहीं करना चाहिए। धर्म डायरेक्ट और इनडायरेक्ट दोनों रूप में होता है, कर्म का बंध राग और द्वेष के कारण होता है। कर्मबंध से बचने के लिए 12 भावनाओं का चिंतन करें और राग-द्वेष की तीव्रता को कम करें। उन्होंने कहा कि संसार में सुख-दुःख दोनों अनित्य हैं, समभाव होना चाहिए। परिग्रह कम करना आवश्यक है। आज के कार्यक्रम में चेतन नागड़ा, श्रीमती पूर्वी श्रीश्रीमाल, रश्मि श्रीश्रीमाल, श्री संघ अध्यक्ष अनिल मुनोत ने अपने भाव व्यक्त किए। प्रभावना अमरचंद दीपचंद मेहता एवं स्वरूप चंद मांगीलाल सांड परिवार द्वारा प्रदान की गई।

कार्यक्रम में कुल 71 एकासना तप हुए और तप के लाभार्थी आनंद इंद्रचंद श्री श्रीमाल परिवार रहे।

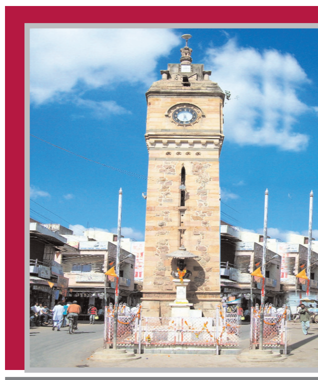

छात्रावासी विद्यार्थियों का किया स्वास्थ्य परीक्षण

अनोखा तीर, हरदा। शासकीय आदिवासी महाविद्यालयीन बालक छात्रावास, हरदा में स्वास्थ्य विभाग हरदा के सहयोग से छात्रावासी विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस दौरान डॉ. परमानंद छलोत्रे द्वारा बच्चों की स्वास्थ्य जांच कर तात्कालिक उपचार प्रदान किया गया तथा आवश्यक दवाइयों का वितरण किया गया। स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान डॉ. छलोत्रे ने विद्यार्थियों को कुष्ठ रोग के कारण, लक्षण एवं उससे बचाव की जानकारी दी। साथ ही विद्यार्थियों को नियमित व्यायाम करने एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की सलाह भी दी गई। कार्यक्रम के दौरान छात्रावास अधीक्षक एस.डी. पनागरे सहित छात्रावासी विद्यार्थी उपस्थित रहे। यह स्वास्थ्य परीक्षण विद्यार्थियों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने एवं समय पर उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया गया।

सार-समाचार

मां नर्मदा की गुप्त परिक्रमा के दौरान हरदा पहुंचे दीपदास महाराज, हुआ सम्मान

अनोखा तीर, हरदा। श्री सिद्ध खेड़ापति हनुमान मंदिर आश्रम बाघ जिला धार के मुख्य महंत 108 बृजमोहन दास महाराज के परम शिष्य दीपदास महाराज माता नर्मदा की गुप्त परिक्रमा के दौरान 22 जनवरी की रात्रि को

हृदय नगरी हरदा पहुंचे। उनके आकस्मिक आगमन की सूचना मिलते ही युवा समाजसेवी राज जैन, दुर्गेश चौरै एवं अरुण विश्नोई ने रात्रि में ही पहुंचकर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर दीपदास महाराज के साथ आए लगभग 30 भक्तों सहित अन्य साधु-संतों के लिए भोजन एवं रात्रि विश्राम की समुचित व्यवस्था की गई। साथ ही आगे की यात्रा को सुगम बनाने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं। इस सेवा कार्य के माध्यम से हरदा जिले की धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को सम्मान मिला और अतिथियों ने व्यवस्था की सराहना की।

हरदा आदर्श महाविद्यालय में श्रद्धा व उल्लास के साथ मनाया बसंत पंचमी उत्सव

अनोखा तीर, हरदा। हरदा आदर्श महाविद्यालय में ज्ञान, विद्या और कला की देवी मां सरस्वती की आराधना के पर्व बसंत पंचमी के अवसर पर सरस्वती पूजा-अर्चना कर भव्य बसंत पंचमी उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय परिवार ने श्रद्धा एवं उत्साह के साथ सहभागिता की। उत्सव की शुरुआत मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण, दीप प्रज्ज्वलन एवं विधिवत पूजा-अर्चना के साथ की गई। इस

अवसर पर शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने मां सरस्वती से ज्ञान, विवेक और सद्बुद्धि की कामना की। पूरे परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा। कार्यक्रम के दौरान बसंत पंचमी के महत्व पर प्रकाश डाला गया तथा इसे ज्ञान, सृजन और नवचेतना का पर्व बताया गया। विद्यार्थियों ने पीले वस्त्र धारण कर उत्सव की शोभा बढ़ाई। महाविद्यालय प्रशासन द्वारा सभी को बसंत पंचमी की शुभकामनाएं देते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक गणेश विश्वकर्मा, समाज कार्य के सहायक प्राध्यापक प्रभु दयाल उमरिया, योगिता गौर, प्रीति अग्रवाल, वाणी धार्मिक, राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की कार्यक्रम अधिकारी छाया लॉन्गरे, संदीप खरे, नंदलाल पंवार, जितेंद्र बामने सहित समस्त महाविद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम का समापन प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

माल्यार्पण कर मनाई नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती

अनोखा तीर, हरदा। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा नगरपालिका स्थित शहीद गैलरी एवं कृषि उपज मंडी प्रांगण में स्थापित नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। जिला मीडिया प्रभारी दीपक नेमा ने जानकारी देते हुए बताया कि जयंती कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष राजेश वर्मा ने

उपस्थित कार्यकर्ताओं को नेताजी के विचारों, राष्ट्र के प्रति उनके योगदान एवं प्रेरणादायी जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर महामंत्री राजेश गोदारा, नगर मंडल अध्यक्ष नितेश बादर, नगर पालिका उपाध्यक्ष अंशुल गोयल, राजू कमेड़िया, देवी सिंह सांखला, मनसुख लोहाना, दुर्गेश राठौर, गौरव काशिव, पुरुषोत्तम झिंजोरे, नितिन सोनकर, नागेंद्र मल्होत्रा, नवीन असरानी, अभिषेक उपरीत, सुनील बघेला, चंपालाल पवार, अजय अग्रवाल, राजकुमार मौर्य, रेवा सेन, नर्मदा चौरसिया, कपिल यादव, गोविंद तवर, सूरज बामने, संजय पंवार सहित अनेक वरिष्ठ एवं ज्येष्ठ-श्रेष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से नेताजी के आदर्शों को आत्मसात करने का आह्वान किया गया।

कलेक्टर ने रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

'रक्त दाता प्रेरणा' प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

अनोखा तीर, हरदा।

मध्यप्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी द्वारा शुक्रवार को हरदा के स्थानीय होटल में सुरक्षित और स्वैच्छिक रक्तदान को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक दिवसीय 'रक्त दाता प्रेरणा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों और रेड रिबन क्लब के सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर व दीप प्रज्जवलन कर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एच.पी. सिंह, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. मनीष शर्मा, ब्लड बैंक अधिकारी दिव्या यादव, सामाजिक संस्था के प्रतिनिधि सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

कार्यक्रम में कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ने संबोधित करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्वैच्छिक रक्तदाताओं को प्रेरित करना और सुरक्षित रक्त दान के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। स्वैच्छिक और गैर-पारिश्रमिक रक्त दान को रक्त सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सबसे सुरक्षित तरीका माना जाता है। कलेक्टर ने कहा कि कहा कि सभी स्वेच्छा से रक्तदान करें। रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है, क्योंकि हमारे द्वारा दिया गया रक्त किसी व्यक्ति को जीवनदान दे सकता है। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं से अपील की कि वे रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाएं। उन्होंने कहा कि आधुनिक चिकित्सा पद्धति में रक्तदान पूरी तरह सुरक्षित है और इससे स्वास्थ्य पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता। कलेक्टर ने शिविर में रक्तदान करने वाले नागरिकों व संस्थाओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

प्रशिक्षण में वरिष्ठ पेथोलॉजिस्ट श्री यू.एम. शर्मा ने कहा कि प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य समाज में यह संदेश फैलाना है कि रक्तदान न केवल सुरक्षित है, बल्कि दूसरों की जान बचाने के लिए अनिवार्य भी है। स्वैच्छिक दाताओं से प्राप्त रक्त, प्रतिस्थापन दाताओं की तुलना में अधिक सुरक्षित होता है। कार्यक्रम में रक्तदान से जुड़े भ्रमों को दूर करने और युवाओं को प्रेरित करने के लिए नई रणनीतियों पर चर्चा की गई। प्रशिक्षण में सहायक संचालक ब्लड ट्रांसफ्यूजन सर्विसेस भोपाल श्रीमती मोनल सिंह ने कहा कि 18 से 65 वर्ष की आयु का कोई भी स्वस्थ व्यक्ति रक्तदान कर सकता है। एक यूनिट रक्त कम से कम तीन लोगों की जान बचा सकता है। उन्होने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है कि सभी को सुगमता से रोग मुक्त रक्त प्राप्त हो।

16वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस 25 जनवरी को

अनोखा तीर, हरदा। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 25 जनवरी को 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर 25 जनवरी को प्रातः 11 बजे कलेक्टर कार्यालय हरदा के सभाकक्ष में कार्यक्रम आयोजित जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सिद्धार्थ जैन करेंगे। आयोग के निर्देशानुसार 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस की थीम 'मेरा भारत, मेरा वोट है'। कार्यक्रम में नवमतदाताओं को परिचय पत्र वितरित किये जायेंगे तथा शपथ भी दिलायी जाएगी। इस दौरान एसआईआर कार्य में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर पुरस्कृत किया जाएगा।

गणतंत्र दिवस कार्यक्रम की फुल ड्रेस रिहर्सल आज

अनोखा तीर, हरदा। 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस जिले में समारोहपूर्वक मनाया जाएगा। जिला स्तरीय कार्यक्रम हरदा के नेहरू स्टेडियम में आयोजित होगा। इस कार्यक्रम के व्यवस्थित ढंग से आयोजन के लिये फुल ड्रेस रिहर्सल 24 जनवरी को प्रातः 9 बजे से नेहरू स्टेडियम में होगी। कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन ने सभी संबंधित अधिकारियों को इस दौरान उपस्थित रहने के निर्देश दिये हैं। उन्होने गणतंत्र दिवस कार्यक्रम की व्यवस्थाओं के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को सभी तैयारियां शीघ्रता से पूर्ण करने की हिदायत दी है।

ग्रामोदय से अभ्युदय पखवाड़े के तहत 'अपना कोई खो दिया' का मंचन

अनोखा तीर, हरदा। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, विकास खंड हरदा द्वारा संचालित ग्रामोदय से अभ्युदय पखवाड़े के अंतर्गत सेक्टर स्तरीय आयोजन ग्राम करनपुरा में आयोजित किया गया। इस अवसर पर नाटक अपना कोई खो दिया का मंचन किया गया, जिसने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। नाटक के दौरान शाला प्राचार्य भावुक होकर कहने लगे कि मेरा दोस्त नशे में खो दिया। नाटक कलाकार परामर्शदाता सरेंद्र सिंह चौहान ने नाटक की प्रस्तुति दी। नाटक ने अपने कथानक के माध्यम से विषय से जागरूक करते हुए संदेश दिया और पूरी प्रस्तुति ने बच्चों, शाला परिवार तथा ग्रामीणों की आंखों में आंसू ला दिए। नाटक के एक प्रसंग में जब स्वयं अभिनयकर्ता कहता है मुझे मार जाओ तो, वह दृश्य दर्शकों में गहरी भावुकता उत्पन्न करता है। मंचन के दृश्य सीधे हृदय पर प्रभाव डालते हैं और जनमानस को सोचने पर मजबूर करते हैं। बच्चों की आंखों में आंसू के साथ नाटक से जुड़ाव साफ नजर आया। संभव है कि कई लोगों को अपने किसी खोने का दर्द, बिछड़ने का वियोग या चिंता इस मंचन के विषय से जुड़ गया हो। नाटक के बाद शपथ के साथ आयोजन का समापन हुआ।

सड़क सुरक्षा को अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी समझें : कलेक्टर

अनोखा तीर, हरदा। कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ने जिले के नागरिकों से अपील की है कि सड़क सुरक्षा को हम सभी अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी समझें। हमारे जिले में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या बढ़ रही है, जो हम सबके लिए गंभीर चिंता का विषय है। इस वर्ष अब तक हरदा जिले में 28 सड़क दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें 11 लोगों की असमय मृत्यु हुई है। ये आंकड़े हमें चेतावनी देते हैं कि थोड़ी सी लापरवाही किसी परिवार की पूरी दुनिया उजाड़ सकती है। कलेक्टर ने सभी से अनुरोध किया है कि वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन अवश्य करें। दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनें, चार पहिया वाहन में सीट बेल्ट लगाएँ, नशे की हालत में वाहन बिल्कुल न चलाएँ और ड्राइविंग के दौरान मोबाइल फोन का उपयोग न करें। ओवर स्पीड, गलत साइड वाहन चलाना और खतरनाक ओवरटेकिंग से स्वयं भी बचें और दूसरों को भी बचाएँ। जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए प्रशासन द्वारा लगभग 20 दुर्घटना संभावित हॉट स्पॉट चिन्हित किए गए हैं, जहाँ संबंधित विभागों के सहयोग से आवश्यक सुधारात्मक कार्य किए जा रहे हैं लेकिन प्रशासन के प्रयास तभी सफल होंगे जब जनता का सहयोग मिलेगा। उन्होने कहा कि हम सभी मिलकर संकल्प लें कि सुरक्षित वाहन चलाएँगे, नियमों का पालन करेंगे और अपने परिवार व समाज को सुरक्षित रखेंगे।

कांग्रेस ने बसंत पंचमी व नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई

अनोखा तीर, हरदा।

जिला कांग्रेस कार्यालय में बसंत पंचमी तथा महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई गई। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ज्ञान की देवी माँ सरस्वती और देश के नायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। पुष्पांजलि के बाद आयोजित विचार गोष्ठी में कांग्रेसजनों ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवन संघर्ष और देश की आजादी में उनके योगदान पर अपने विचार साझा किए। कांग्रेस जिला अध्यक्ष मोहन सांई ने कहा कि नेताजी अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष रहे और उनका तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा का नारा आज भी युवाओं में राष्ट्रभक्ति की भावना जागृत करता है। साथ ही बसंत पंचमी के पावन अवसर पर वक्ताओं ने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षित समाज ही एक सशक्त राष्ट्र की नींव रख सकता है। कार्यक्रम के समापन के बाद सभी कांग्रेस कार्यकर्ता और पदाधिकारी स्थानीय कृषि मंडी प्रांगण पहुंचे। यहाँ स्थापित नेताजी सुभाषचंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सामूहिक पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस दौरान नेताजी अमर रहे के नारों से परिसर गूंज उठा। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहन सांई, राजीव गाँधी पंचायती राज

संगठन के राष्ट्रीय सलाहकार वरिष्ठ कांग्रेस नेता विजय सूरमा, दिनेश यादव, ब्लॉक अध्यक्ष गोविंद व्यास, जिला प्रवक्ता आदित्य गार्गव, सुरेन्द्र सराफ, इक़बाल खान, हरीश गुप्ता, धर्मेन्द्र चौहान, संदीप गौर, जावेद पटेल, रमेश सोनकर, संजय पांडे, हयात खान सहित वरिष्ठ कांग्रेस जन और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पीएम कॉलेज में मनाया 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस

अनोखा तीर, हरदा। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय, हरदा में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं भारतीय ज्ञान परंपरा के संयुक्त तत्वाधान में 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस और बसंत पंचमी के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. संगीता बिले के निर्देशन में शासकीय अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों द्वारा राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर शपथ ग्रहण से हुआ। तत्पश्चात बसंत पंचमी के पावन अवसर पर मां सरस्वती, नेताजी सुभाष चंद्र बोस एवं स्वामी विवेकानंद के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर पूजा-अर्चना की गई। इस क्रम में प्राचार्य डॉ. संगीता बिले ने विद्यार्थियों को बसंत पंचमी के महत्व के बारे में जानकारी दी, जबकि डॉ. राकेश सिंह परस्ते ने नेताजी सुभाषचंद्र बोस के जीवन पर प्रकाश डाला।

नि:शुल्क गैस कनेक्शन उपलब्ध कराने आज शिविर

अनोखा तीर, हरदा। मध्यप्रदेश खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा प्रधानमंत्री उज्जवला योजना 3.0 के तहत निर्धन परिवारों को नि :शुल्क गैस प्रदाय करने की प्रक्रिया आरम्भ की गई है। जिला आपूर्ति अधिकारी हरदा ने बताया कि जिले के धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत जिले में निवासरत अन्य जनजातीय परिवारों को गैस कनेक्शन प्रथम आओ प्रथम पाओं के आधार पर जारी किया जाएगा। कलेक्टर सिद्धार्थ जैन के निर्देश पर जिले में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत चयनित 103 ग्रामों की पंचायतों में नि :शुल्क गैस उपलब्ध कराने के लिये गैस एजेन्सियों द्वारा शिविर आयोजित किए जाएंगे। उन्होने निर्देशित किया है कि इन शिविरों में गैस एजेन्सियां हितग्राहियों से आवेदन प्राप्त कर परीक्षण उपरान्त गैस कनेक्शन देना सुनिश्चित करेंगे। जारी आदेश अनुसार 24 जनवरी को टिमरनी के चांदियापुरा, खिरकिया के रक्ट्या व सोनपुरा तथा हरदा के कांकरदा में शिविर आयोजित किए जाएंगे।

हेल्प लाईन नंबर

सीएम हेल्प लाईन	181
पुलिस	112
फायर बिग्रेड	101
एम्बुलेन्स	108
चाईल्ड हेल्प लाईन	1098
किसान कॉल सेंटर	18001801551
विद्युत शिकायत	18002331912
विद्युत सेवा	1912
पशु सेवा	1962
पुलिस सेवा	112-100
अग्नि सेवा	101
एम्बुलेन्स सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाईल्ड लाईन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सीएम सहायता लाईन	1076
क्राईम सटायर	1090
महिला सहायता	1091
पृथ्वी भूकंप	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान कॉल सेंटर	1098
नागरिक कॉल सेंटर	155300

-कतिया समाज ने बढ़ाया सामाजिक सौहार्द का संदेश

नि:शुल्क विवाह सम्मेलन

अनोखा तीर, हरदा।

शहर के मिडिल स्कूल ग्राउंड में शुक्रवार को प्रांतीय कतिया विकास महासभा द्वारा निशुल्क विवाह सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के कई जोड़ों ने एक साथ विवाह कर सामाजिक समरसता और सादगी का संदेश दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री कमल पटेल उपस्थित रहे। उन्होंने वर-वधु को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की। वर-वधु ने एक-दूसरे का हाथ थामकर जीवन साथी बनने के संकल्प के साथ साथ फेरे लेकर विवाह संस्कार संपन्न किया। इस अवसर पर मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से कतिया समाज के पदाधिकारी भी मौजूद रहे। विवाह सम्मेलन की अध्यक्षता विवाह समिति के अध्यक्ष शिवचरण

नागर ने की। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि खर्चीली शादियों से बचकर समाज को निशुल्क विवाह के माध्यम से समाज सेवा का संदेश देना ही उद्देश्य है। उन्होंने बताया कि इस तरह के कार्यक्रम से फिजूल खर्च बचता है और समाज में उत्साह एवं सकारात्मक ऊर्जा का वातावरण बनता है। कार्यक्रम में कतिया समाज विकास महासभा के कार्याध्यक्ष सोहन उमरिया, पूर्व अध्यक्ष महेश कुल्हारे, सखाराम उमरिया, युवा अध्यक्ष राहुल पवारे, जिला पंचायत सदस्य कमलेश सेजकर, पार्षद नर्मदाप्रसाद चौरसिया, राजेश उमरिया, प्रतीक कुल्हारे, टीआर चोलकर, रामगोपाल रामदीन दमाडे, गोविंद दमाडे, प्रेमनारायण काजबे, अर्जुन हुरमाले, पुरुषोत्तम ओनकर, राजेंद्र नागरे, प्रदीप ओनकर सहित कई अन्य समाजजन विशेष रूप से उपस्थित रहे।

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है। कि मैं **अनीस पिता वहीद खान**, ग्राम करताना, तहसील टिमरनी, जिला हरदा का निवासी हूं। यह कि मेरे आधार कार्ड में नाम **Anees** पिता **Vaheed Khan** अंकित है एवं अंकसूची में भी यही नाम दर्ज है एवं मेरे ड्रायविंग लायसेंस में मेरा नाम **Anees** पिता **bahid khan** है। आधार कार्ड के हिसाब से लायसेंस में नाम दुरूस्त किए जाने हेतु यह विज्ञप्ति प्रस्तुत है। जिस किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो आप अपनी आपत्ति दर्ज करा सकते है।

अनीस पिता वहीद खान, ग्राम करताना, तहसील टिमरनी, जिला हरदा

संपादकीय

क्या अरावली को खोकर भारत आगे बढ़ पाएगा?

विशेषज्ञों का मानना है कि अरावली के आसपास के क्षेत्र में भूजल स्तर को सामान्य बनाए रखने, रेगिस्तान बनने से रोकने और लोगों की आजीविका बचाने के लिए इसका संरक्षण जरूरी है। देश में अवैध और अवैज्ञानिक तरीके से खनन तथा इसके पर्यावरण पारिस्थितिकी पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर अक्सर सवाल उठते रहे हैं। ये तर्क सही हो सकते हैं कि खनन गतिविधियां विकास प्रक्रिया का हिस्सा हैं, लेकिन क्या पर्यावरण की कीमत पर विकास की राह तलाशना उचित है? पिछले कुछ दिनों से चर्चा में रहे अरावली पर्वत-शृंखला के मसले को लेकर यह बहस जोर पकड़ रही है कि अगर कोई प्राकृतिक संरचना किसी क्षेत्र के लिए जीवन-धारा और सुरक्षा दीवार के रूप में खड़ी है, तो क्या उसका संरक्षण जरूरी नहीं है! हाल के वर्षों में अरावली क्षेत्र में खनन गतिविधियां बढ़ी हैं और इससे होने वाले नुकसान को लेकर उठी आवाज की अनदेखी हुई है। यही वजह है कि बुधवार को सर्वोच्च न्यायालय ने भी स्पष्ट किया कि अरावली में खनन और इससे संबंधित मुद्दों की व्यापक एवं समग्र जांच जरूरी है तथा इसके लिए विशेषज्ञों की एक समिति गठित की जाएगी। साथ ही इस बात पर जोर दिया कि अरावली क्षेत्र में अवैध खनन से पर्यावरण को अपूरणीय क्षति हो सकती है।

गौरतलब है कि पिछले दिनों सर्वोच्च न्यायालय ने यह व्यवस्था दी थी कि आसपास की जमीन से कम से कम सौ मीटर ऊंचे हिस्से को ही अरावली पहाड़ी के तौर पर माना जाएगा। अदालत की इस नई परिभाषा के बाद यह आशंका पैदा हो गई थी कि अगर सौ मीटर से कम ऊंचाई वाली पहाड़ियों पर खनन, निर्माण और व्यावसायिक

गतिविधियों के रास्ते खुलेंगे, तो इसके बाद समूचे इलाके के पारिस्थितिकी तंत्र पर गंभीर पर्यावरणीय प्रभाव पड़ सकते हैं। क्योंकि, पहाड़ियों के बीच पांच सौ मीटर की दूरी के मानक से अरावली का बड़ा हिस्सा पर्यावरण संरक्षण से बाहर हो सकता था। हालांकि, बाद में शीर्ष अदालत ने अपने इस फैसले को स्थगित करते हुए कहा था कि इस मामले में कुछ गंभीर अस्पष्टताओं का समाधान जरूरी है। अब न्यायालय ने सरकार को चार सप्ताह के भीतर खनन क्षेत्र के विशेषज्ञ और वैज्ञानिकों के नाम सुझाने का निर्देश दिया है, ताकि विभिन्न पहलुओं की जांच के लिए विशेषज्ञ समिति का गठन किया जा सके।

मगर यह पहलू भी महत्त्वपूर्ण है कि विशेषज्ञों की समिति बिना किसी दबाव और निष्पक्षता से अध्ययन कर अपने सुझाव सामने रखे। इस चिंता को दूर करने के लिए शीर्ष अदालत ने स्पष्ट कहा है कि यह समिति उसके निर्देशन और निगरानी में कार्य करेगी। दरअसल, राजस्थान, हरियाणा और गुजरात से लेकर दिल्ली तक के सैकड़ों किलोमीटर इलाके में फैली अरावली पर्वत-शृंखला को उत्तर भारत में पर्यावरण को संतुलित रखने की लिहाज से एक प्राकृतिक दीवार के रूप में देखा जाता है। मगर पिछले कुछ वर्षों से अरावली क्षेत्र में जिस तरह पत्थर, रेत और अन्य संसाधनों की पूर्ति के लिए खनन गतिविधियां बढ़ी हैं, उससे इलाके के पर्यावरण पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि अरावली के आसपास के क्षेत्र में भूजल स्तर को सामान्य बनाए रखने, रेगिस्तान बनने से रोकने और लोगों की आजीविका बचाने के लिए इसका संरक्षण जरूरी है। इसे न केवल पर्यावरणीय, बल्कि भूगर्भीय और जलवायु संबंधी महत्त्व की दृष्टि से भी देखने और मूल्यांकन करने की जरूरत है। अगर अरावली की पहाड़ियों में अवैध और अवैज्ञानिक तरीके से खनन पर रोक नहीं लगाई गई, तो निश्चित रूप से निकट भविष्य में इसके गंभीर परिणाम सामने आ सकते हैं।

मप्र को ग्रीन स्टेट बनाने में लाड़ली बहना वृक्षारोपण योजना प्रारंभ करने का आग्रह

कार्बन क्रेडिट योजना से भी जुड़ सकती हैं लाडली बहनें

अनोखा तीर, भोपाल।

सेवानिवृत्त आईएफएस एवं वन प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष एसपीएस तिवारी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को लाड़ली बहना वृक्षारोपण योजना के रूप में नवाचार शुरू करने का आग्रह किया है। तिवारी ने पत्र लिखकर कहा है कि इस योजना से लाडली बहनें जहां कार्बन क्रेडिट

योजना से जुड़ सकती हैं वहीं प्रदेश को ग्रीन स्टेट बनाने में मील का पत्थर साबित हो सकता है। तिवारी ने मुख्यमंत्री को संबोधित पत्र में उल्लेख किया है कि आप लाड़ली बहना योजना के विशाल नेटवर्क का उपयोग पर्यावरण संरक्षण के लिए उपयोग कर सकतें हैं। उन्होंने कहा है कि यह अत्यंत गर्व की बात है कि वन एवं पर्यवरण, वन्य प्राणी तथा जैव विविधता के संरक्षण एवं संवर्धन मंत्रालय आपके ऊर्जावान नेतृत्व के अधीन है। मुख्य मंत्री डॉ. यादव को लिखे पत्र में रिटायर्ड आईएफएस अधिकारी ने सुझाव दिया कि कि प्रदेश के लाडली बहनों को 5 पौधे हर वर्ष रोपित कर उन्हें वृक्ष बनाने की जिम्मेदारी दी जाए। लगभग 1.25 करोड़ लाड़ली बहना यदि 5 पौधे प्रति वर्ष रोपित करेंगी तो एक साल में 6.25 करोड़ पौधे रोपित हो जाएंगे। यदि 5 साल तक रोपण होता रहा तो 31.25 करोड़ पौधे रोपित हो जाएंगे। अपने प्रदेश में लाखो वृक्ष विभिन्न विकास योजनाओं में काटे जा रहे हैं।

वन आवरण में वृद्धि होगी

- तिवारी का मानना है कि यदि यह योजना प्रभावी ढंग से लागू की गई तो वन आवरण में वृद्धि होगी और ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन को रोकने में काफी मदद मिलेगी। पौधों की व्यवस्था एवं तकनीकी मार्गदर्शन वन विभाग एवं उद्यानिकी विभाग को सौंपा जाए। यदि लाडली बहनों के खेत-खलिहान, आंगन बड़ी है तो वहां रोपित करें अन्यथा पाठशाला, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय, सामुदायिक जमीन, मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा, थाना, पंचायत कार्यालय, रेलवे स्टेशन इत्यादि स्थानों पर पौधे रोपित कर उन्हें लाड़ली बहने गोद लें।
- **कार्बन क्रेडिट योजना से जुड़ सकती हैं बहनें–** लाडली बहनों को कार्बन क्रेडिट योजना से भी जोड़ा जा सकता है एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली लाडली बहनों को वृक्ष सखी का प्रमाण पत्र भी देने का प्रावधान रखना चाहिए। पौधा रोपण फलदार एवं वानिकी के दीर्घ-कालिक वृक्ष का ही रोपण अनिवार्य किया जाना चाहिए।
- **सुझाव को प्रभावी बनाने हेतु अतिरिक्त बिंदु–** निगरानी प्रत्येक पौधे को ऐप के माध्यम से जिओ-टैग किया जाए ताकि जीवित दर की निगरानी की जा सके।
- **प्रोत्साहन:** 5 साल तक जीवित रहने वाले प्रत्येक वृक्ष के लिए बहनों को अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि या प्रमाण पत्र दिया जाए।
- **तकनीकी सहायता:** वन विभाग द्वारा स्थानीय प्रजातियों के पौधे (जैसे- पीपल, बरगद, नीम) उपलब्ध कराए जाएं और क्षेत्र के अनुसार वृक्षारोपण की तकनीकी जानकारी दी जाए।
- यह पहल लाड़ली बहना योजना को हरित लाड़ली के रूप में एक नई पहचान दे सकती है। महिलाओं को पर्यावरण प्रहरी के रूप में एक नई पहचान भी देगा।

शांति का मुखौटा, सत्ता की रणनीति: ट्रंप का वैश्विक विरोधाभास

> आज दुनिया जिन संकटों से जूझ रही है-यूक्रेन से लेकर मध्य पूर्व तक, एशिया से अफ्रीका तक, उनमें कहीं-न-कहीं महाशक्तियों की स्वार्थपूर्ण नीतियों की छाया है। ट्रंप का दौर इस प्रवृत्ति को और उग्र बनाता दिखाई दिया, जहां वैश्विक सहयोग के बजाय 'मैं पहले' की मानसिकता हावी रही। शांति के नाम पर दबाव, सौदेबाजी और धमकी-यह त्रयी मानवता के लिए घातक है। जो नेता स्वयं को शांति का प्रतीक बताता है, उससे अपेक्षा होती है कि वह पुल बनाए, दीवारें नहीं; संवाद बढ़ाए, युद्ध नहीं; भरोसा पैदा करे, भय नहीं। इस तरह प्रश्न यही है कि क्या शांति पुरस्कार की आकांक्षा मात्र से कोई शांति-दूत बन सकता है? यदि जवाबदेही, सहमति और मानवीय मूल्यों के बिना शांति थोपने की कोशिश की जाए, तो वह शांति नहीं, एक नया संघर्ष जन्म देती है। ट्रंप की कार्यशैली इसी सच्चाई की गवाही देती है। आज जब मानवता युद्धों में अपने जीवन को खो रही है, तब शांति का ढोंग और भी क्रूर प्रतीत होता है।

ललित गर्ग

नोबेल शांति पुरस्कार की उत्कट अभिलाषा में डूबे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का व्यक्तित्व और कार्यशैली वैश्विक राजनीति के लिए एक गहरी विडंबना एवं विरोधाभास बनकर उभरी है। शांति का मसीहा बनने का उनका दावा जितना आकर्षक दिखता है, उतना ही विरोधाभासी उनके कदमों का यथार्थ है। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में वे जहां शांति स्थापित करने का श्रेय लेना चाहते हैं, वहीं उनके निर्णय, वक्तव्य और नीतियां अक्सर युद्ध, अशांति, भय और अस्थिरता को जन्म देती दिखाई देती हैं। यह कैसी शांति है, जो बमों की गूंज, प्रतिबंधों की मार और नफरत की भाषा के साथ चलती है? यह कैसा शांति-दूत होने का नाटक है, जिसमें मानवता का रक्त बहता रहे और सत्ता अपने हित साधती रहे? गाजा में शांति स्थापना के लिए ट्रंप की प्रस्तावित योजना इसी विरोधाभास का नवीन उदाहरण है। इसे शांति से अधिक व्यापारिक सौदे की तरह प्रस्तुत किया गया, मानो दशकों से हिंसा, विस्थापन और अस्मिता के संकट से जूझ रहे लोगों का भविष्य किसी रियल एस्टेट या आर्थिक पैकेज से तय किया जा सकता हो। अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र की भूमिका, स्थानीय जनता की सहमति और जवाबदेही-इन सबको दरकिनार कर शांति थोपने की यह कोशिश बताती है कि ट्रंप की दृष्टि में शांति कोई नैतिक या मानवीय मूल्य नहीं, बल्कि शक्ति-प्रदर्शन और राजनीतिक लाभ का औजार है। इस तरह बमों के साये में शांति का दावा डकोसला ही है, जिसमें शांति का सौदा एवं सत्ता की भूख ही दिखती है। ट्रंप की कथित शांति योजना, शांति के नाम पर वर्चस्व की राजनीति ही है। ऐसा लगता है शब्द अहिंसा के और कर्म हिंसा के है। ट्रंप संयुक्त राष्ट्र को अक्षम, पक्षपाती और नौकरशाही से ग्रस्त बताकर उसकी अवहेलना करते रहे हैं, जबकि सच यह है कि वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए बहुपक्षीय संस्थाओं का ढांचा अनिवार्य है। शक्तिशाली देशों को जब यह ढांचा अपने अनुकूल नहीं लगता, तो वे उसे कमजोर करने लगते हैं-ट्रंप इसी प्रवृत्ति का मुखर चेहरा हैं। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित नए वैश्विक शांति संस्थान का विचार अपने आप में जितना आकर्षक शब्दों से सुसज्जित है, उतना ही अपने अंतर्विरोधों में उलझा हुआ भी है। शांति स्थापना के नाम पर एक ऐसी अंतरराष्ट्रीय संस्था खड़ी करने की कोशिश, जो संयुक्त राष्ट्र जैसे स्वीकृत बहुपक्षीय ढांचे को दरकिनार करती हो, वस्तुतः शांति से अधिक सत्ता-केंद्रित वर्चस्व की आकांक्षा को उजागर करती है। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि जिस नेतृत्व की नीतियों का आधार हथियारों के निर्माण और बिक्री, सैन्य गठबंधनों के विस्तार, युद्ध की धमकियों और आर्थिक दंड के जरिये दुनिया पर दबाव बनाना रहा हो, वह अचानक शांति का नया ठेकेदार कैसे बन सकता है? ट्रंप की राजनीतिक सोच में शांति किसी मानवीय प्रतिबद्धता का नहीं, बल्कि सौदेबाजी, नियंत्रण और लाभ का साधन प्रतीत होती है। इसलिए उनके प्रस्तावित शांति संस्थान की उपयोगिता पर गंभीर संदेह खड़ा होता है। बिना वैधता, जवाबदेही और वैश्विक सहमति के खड़ी की गई कोई भी संस्था शांति का वाहक नहीं बन सकती; वह केवल शक्तिशाली देशों की इच्छाओं को थोपने का उपकरण या जरिया ही बनती है। इस संदर्भ में ट्रंप का यह प्रयास शांति की दिशा में एक ठोस पहल नहीं, बल्कि हिंसा-प्रधान

नीतियों पर पर्दा डालने और वैश्विक शासन व्यवस्था पर अपनी पकड़ मजबूत करने का एक और षडयंत्र एवं कुचेष्टा ही दिखाई देता है।

ट्रंप की सोच में शांति का अर्थ संघर्षों का समाधान नहीं, बल्कि उन्हें अपने पक्ष में मोड़ना है। कभी वे संयुक्त राष्ट्र के समानांतर इस तरह की एक कथित शांति-व्यवस्था खड़ी करने की बात करते हैं, तो कभी ईरान पर युद्ध की धमकी देते हैं। एक ओर वे यूरोपीय देशों की तारीफ कर अपना प्रभाव जमाने का प्रयास करते हैं, दूसरी ओर उन्हीं देशों पर व्यापारिक प्रतिबंधों और सैन्य खर्च का दबाव डालते हैं। यह दोहरा आचरण और कथनी और करनी का भेद वैश्विक अस्थिरता को बढ़ाता है। शांति की भाषा बोलते हुए हथियारों की बिक्री, सैन्य गठबंधनों का विस्तार और आर्थिक दंड-ये सब उनकी नीतियों के अभिन्न अंग रहे हैं। परिणामस्वरूप दुनिया एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां युद्ध की आहटें तेज हैं और मानवता अस्तित्व के मुहाने पर पहुंचती प्रतीत होती है। गाजा संकट के संदर्भ में यह और भी स्पष्ट हो जाता है कि बिना वैधता, सहमति और जवाबदेही के थोपी गई शांति कभी स्थायी नहीं होती। यदि नागरिकों की सुरक्षा, जीवन की गरिमा और राजनीतिक अधिकारों को नजरअंदाज किया जाए, तो कोई भी समझौता खोखला साबित होगा। ट्रंप का दृष्टिकोण इन मूलभूत सच्चाइयों को अक्सर अनदेखा करता है। आर्थिक वादों को राजनीतिक अधिकारों के विकल्प के रूप में प्रस्तुत करना एक खतरनाक भ्रम है, जो जमीनी वास्तविकताओं के बोझ से ढह जाता है। शांति तभी टिकाऊ हो सकती है जब उसमें स्थानीय लोगों की वास्तविक आवाज शामिल हो, उनके दुख-दर्द को समझा जाए और न्यायपूर्ण समाधान की दिशा में ईमानदार पहल हो। भारत को गाजा में शांति प्रयासों में शामिल करने का प्रस्ताव भी इसी जटिलता को उजागर करता है। भारत का कूटनीतिक इतिहास बहुपक्षवाद, संयुक्त राष्ट्र की केंद्रीय भूमिका और द्विराष्ट्र सिद्धांत के समर्थन से जुड़ा रहा है। भारत के इस्राइल से अच्छे संबंध हैं, तो अरब देशों में भी उसकी विश्वसनीयता बनी हुई है। लेकिन यदि शांति प्रक्रिया संयुक्त राष्ट्र को दरकिनार करती है, तो यह भारत की स्थापित कूटनीतिक परंपरा के अनुकूल नहीं होगा। भारत ने हमेशा प्रत्यक्ष हस्तक्षेप के बजाय स्थिरता और संवाद को प्राथमिकता दी है। ऐसे में ट्रंप-प्रेरित पहल में शामिल होना भारत के लिए भी एक नैतिक और रणनीतिक चुनौती बन सकता है। वास्तव में ट्रंप की नीतियां एक ऐसे विश्व-दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करती हैं, जहां शक्ति ही सत्य है और नैतिकता केवल भाषणों तक सीमित है। उनकी बयानबाजी में नफरत और विभाजन की छाया साफ दिखती है। आप्रवासन, नस्ल, धर्म और राष्ट्रवाद के मुद्दों पर उनकी भाषा ने वैश्विक स्तर पर असहिष्णुता को बढ़ावा दिया। जब विश्व का सबसे शक्तिशाली देश इस तरह का संदेश देता है, तो उसका असर सीमाओं से परे जाता है। युद्ध केवल गोलियों और मिसाइलों से नहीं लड़ा जाता, वह विचारों और शब्दों से भी लड़ा जाता हैकृऔर ट्रंप के शब्द अक्सर आग में घी डालने का काम करते रहे हैं।

आज दुनिया जिन संकटों से जूझ रही है-यूक्रेन से लेकर मध्य पूर्व तक, एशिया से अफ्रीका तक, उनमें कहीं-न-कहीं महाशक्तियों की स्वार्थपूर्ण नीतियों की छाया है।

ट्रंप का दौर इस प्रवृत्ति को और उग्र बनाता दिखाई दिया, जहां वैश्विक सहयोग के बजाय 'मैं पहले' की मानसिकता हावी रही। शांति के नाम पर दबाव, सौदेबाजी और धमकी-यह त्रयी मानवता के लिए घातक है। जो नेता स्वयं को शांति का प्रतीक बताता है, उससे अपेक्षा होती है कि वह पुल बनाए, दीवारें नहीं; संवाद बढ़ाए, युद्ध नहीं; भरोसा पैदा करे, भय नहीं। इस तरह प्रश्न यही है कि क्या शांति पुरस्कार की आकांक्षा मात्र से कोई शांति-दूत बन सकता है? यदि जवाबदेही, सहमति और मानवीय मूल्यों के बिना शांति थोपने की कोशिश की जाए, तो वह शांति नहीं, एक नया संघर्ष जन्म देती है। ट्रंप की कार्यशैली इसी सच्चाई की गवाही देती है। आज जब मानवता युद्धों में अपने जीवन को खो रही है, तब शांति का ढोंग और भी क्रूर प्रतीत होता है। दुनिया को ऐसे नेतृत्व की जरूरत है जो शक्ति के प्रदर्शन से नहीं, बल्कि करुणा, न्याय और बहुपक्षीय सहयोग से शांति की राह प्रशस्त करे। अन्यथा शांति मसीहा होने का यह नाटक इतिहास में एक विफल और खतरनाक प्रयोग के रूप में ही दर्ज होगा।

दावोस में गूंजा मध्यप्रदेश का आत्मविश्वास

-पवन वर्मा

राज्य सरकार की ओर से भी यह संकेत साफ रहा कि मध्यप्रदेश का औद्योगिक विकास केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं है। नीति, प्रशासन और बुनियादी ढांचे में किए गए सुधार अब लगातार परिणाम दे रहें हैं। इसी कारण दावोस में हुई बातचीत सामान्य औपचारिकताओं से आगे बढ़कर साझेदारी और निवेश की संभावनाओं तक पहुंची।

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम, दावोस में इस बार मध्यप्रदेश की उपस्थिति ने दुनियाभर का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। देश ही नहीं बल्कि दुनिया भर के प्रमुख उद्योगपति अब मध्यप्रदेश की नीतियों पर भरोसा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में बीते दो वर्षों में अपनाई गई उद्योग हितैषी नीतियों का असर अंतरराष्ट्रीय मंच पर साफ और स्पष्ट रुप से दिखा। दावोस में वैश्विक उद्योगपतियों और निवेशकों ने मध्यप्रदेश को लेकर गंभीर रुचि दिखाई। राज्य सरकार की ओर से भी यह संकेत साफ रहा कि मध्यप्रदेश का औद्योगिक विकास केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं है। नीति, प्रशासन और बुनियादी ढांचे में किए गए सुधार अब लगातार परिणाम दे रहें हैं। इसी कारण दावोस में हुई बातचीत सामान्य औपचारिकताओं से आगे बढ़कर साझेदारी और निवेश की संभावनाओं तक पहुंची।

- **नीतियों ने बनाया भरोसे का आधार–** निवेशकों के लिए सबसे अहम सवाल होता है स्थिरता और भरोसा। मध्यप्रदेश सरकार ने इसी मोर्चे पर अपनी स्थिति मजबूत की है। सिंगल विंडो सिस्टम, निर्णय प्रक्रिया में तेजी और प्रक्रियाओं के सरलीकरण ने निवेश के रास्ते आसान किए हैं। दावोस में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की बैठकों से यह संदेश गया कि राज्य सरकार निवेश को आकर्षित करने के साथ-साथ उसे जमीन पर उतारने की क्षमता भी रखती है। यही वजह है कि मध्यप्रदेश को लेकर चर्चा केवल संभावनाओं तक सीमित नहीं रही।
- **नवकरणीय ऊर्जा से बनी नई पहचान–** नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में मध्यप्रदेश ने देशभर में अपनी अलग पहचान बनाई है। सोलर, विंड और पंप स्टोरेज परियोजनाओं पर तेज़ी से काम हो रहा है। ओंकारेश्वर में जलाशय पर सोलर पैनलों के माध्यम से बिजली उत्पादन राज्य के बदलते ऊर्जा मॉडल का उदाहरण है। यहां किसानों को सोलर पंप देकर कृषि क्षेत्र को ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। इसका असर ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर साफ दिखाई दे रहा है। नवकरणीय स्रोतों से सबसे सस्ती बिजली उपलब्ध कराने वाले राज्यों में मध्यप्रदेश का नाम आना दावोस में चर्चा का बड़ा विषय रहा।
- **भारत की आर्थिक उड़ान में राज्यों की भागीदारी–** अब भारत वैश्विक आर्थिक मंच पर मजबूत दावेदारी पेश कर रहा है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में भारत का सबसे बड़ा प्रतिनिधिमंडल पहुंचना इसी आत्मविश्वास को दर्शाता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दावोस में कहा कि भारत बहुत जल्द दुनिया की

अग्रणी आर्थिक शक्तियों में शामिल होने जा रहा है। इस राष्ट्रीय लक्ष्य को हासिल करने में मध्यप्रदेश जैसे राज्यों की भूमिका अहम मानी जा रही है। आईटी, टूरिज्म, मैन्युफैक्चरिंग और सेवा क्षेत्र राज्य की आर्थिक क्षमता को विस्तार दे रहे हैं।

- **मालदीव के साथ सहयोग के संकेत–** दावोस में मालदीव के मंत्री एवं अर्थशास्त्री डॉ. मोहम्मद सईद के साथ हुई चर्चा ने यह स्पष्ट किया कि मध्यप्रदेश सरकार अंतरराष्ट्रीय सहयोग को लेकर भी सक्रिय रुख अपना रही है। टूरिज्म, मत्स्य पालन, आईटी और हेल्थ जैसे क्षेत्रों में साझेदारी की संभावनाओं पर भी बातचीत हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का प्रस्तावित मालदीव दौरा इस बात का संकेत है कि प्रदेश सरकार इन चर्चाओं को आगे बढ़ाने के लिए गंभीर है। भारत और मालदीव के बीच पहले से मजबूत संबंधों में मध्यप्रदेश की भूमिका नए अवसर खोल सकती है।
- **औद्योगिक रफ्तार और रोजगार–** मध्यप्रदेश में औद्योगिक गतिविधियों की बढ़ती रफ्तार का सीधा असर रोजगार पर दिखाई दे रहा है। एग्रीकल्चर, पॉल्ट्री, फूड प्रोसेसिंग और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में निवेश बढ़ा है। राज्य के पास पर्याप्त लैंड बैंक, ऊर्जा संसाधन और अनुकूल भौगोलिक स्थिति है। देश के मध्य में स्थित होने का भी लाभ है,जो परिवहन और आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत करता है। एमओयू के जरिए सामने आ रहे निवेश प्रस्ताव रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर पैदा कर रहे हैं। बेरोजगारी दर में आई गिरावट इसी दिशा की ओर इशारा करती है।
- **दावोस से साफ हुआ संदेश–** दावोस में हुई बैठकों ने यह स्पष्ट कर दिया कि मध्यप्रदेश अब वैश्विक निवेश मानचित्र पर अपनी जगह बनाने की ओर तेजी से बढ़ चुका है। उद्योग, ऊर्जा और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के मोर्चे पर सरकार की सक्रियता एक संगठित आर्थिक सोच को दर्शाती है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार ने यह साबित किया है कि विकास केवल आंकड़ों का विषय नहीं है। नीति और परिणाम के बीच की दूरी को कम करने की दिशा में किए गए प्रयासों ने मध्यप्रदेश को नई पहचान दी है। दावोस से मिले संकेत बताते हैं कि राज्य आने वाले समय में देश की आर्थिक प्रगति का मजबूत आधार बनने की तैयारी में है।

सार-समाचार

रेवा गुर्जर समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन संपन्न

- युगल दांपत्य जीवन में बंधे वर वधु को सांसद, विधायक सहित जनप्रतिनिधियो ने दिया आशीर्वाद

अनोखा तीर, बड़वाह। शादियों में होने वाले अतिरिक्त व अनावश्यक खर्चों से वर–वधु दोनों पक्षों पर आर्थिक भार पड़ता है। ऐसी खर्चीली शादी में होने वाले धन की बर्बादी को रोकने और समाज को नई सकारात्मक दिशा प्रदान करने के लिए रेवा गुर्जर विवाह समिति ने पिछले कई वर्षों पहले सामूहिक विवाह के रूप में नई पहल शुरू की थी, जो अब एक बड़ा स्वरूप लेने लगी है। शुक्रवार बसंत पंचमी के अवसर पर नगर पालिका बड़वाह एवं रेवा गुर्जर समाज ने मुख्यमंत्री कन्या दान योजना के तहत 22 जोड़ो का सामूहिक

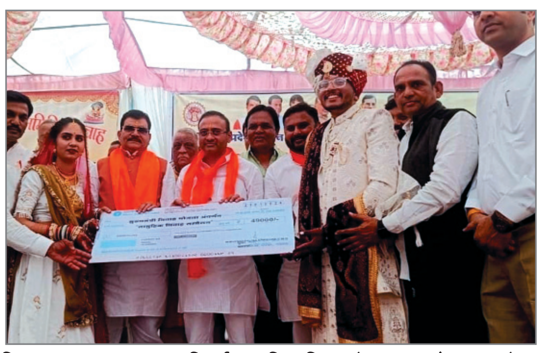

विवाह संपन्न करवाया। प्रतिवर्ष सामूहिक विवाह के माध्यम से समाज के सभी तबके के लोगो को खर्चीली शादियों से बचने का प्रेरक संदेश दे रहे है। इसी कड़ी में बड़वाह के कृषि उपज मंडी में 22 जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ। इस अवसर पर सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल, विधायक सचिन बिरला सहित अन्य जनप्रतिनिधि सम्मेलन में वर–वधू को आशीर्वाद देने के लिए पहुंचे। इस दौरान 22 जोड़े एक दूसरे के साथ परिणय सूत्र में बंधे। आयोजन के लिए मंडी परिसर में भव्य पांडाल लगाया गया था। सुबह–सुबह दूल्हा–दुल्हन अपने–अपने वाहनों से समारोह स्थल पहुंचे। जहां पंडित के माध्यम से विप्र बंधुओं ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि–विधान से विवाह संपन्न कराया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष राकेश गुप्ता, पूर्व मंत्री डॉ. विजय लक्ष्मी साधो, पूर्व विधायक जगदीश मोरानिया, भाजपा जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र सुराणा, कांग्रेस नेता इंदर बिरला, प्रवीण शर्मा, रवि ऐरन, विक्रांत कोठारी, पार्षद रजनी भंडारी सहित अन्य नेताओं, जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने पहुंचकर सभी जोड़ों को शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का संचालन समिति सदस्य हरिओम शाह ने किया। सामूहिक विवाह समिति अध्यक्ष गिरधारी बिरला, उपाध्यक्ष जयेश शाह, अनोक चंद मंडलोई, डॉ. सेवक राम गुर्जर सहित बड़ी संख्या में समाजजन मोजूद थे।

कोठ खप्पर धुनी तपस्या बसंत पंचमी से संतों की हुई शुरू

अनोखा तीर, बड़वाह। नावघाट खेडी स्थित माँ नर्मदा के उत्तर तट पर सुंदरधाम आश्रम में संतो की कोठ खप्पर धुनी तपस्या बसंत पंचमी शुक्रवार से शुरु हुई। इस अवसर पर पंडितो ने श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर महंत श्री बालकदास महाराज एवं अन्य संतो से विधि–विधान से पूजन करवाया। इसके पश्चात हवन एवं भंडारा प्रसादी का आयोजन हुआ। श्री श्री 108 नारायण दास महाराज ने बताया की कोठ खप्पर तपस्या बंसत पंचमी से प्रारंभ होकर गंगा दशहरे तक चो माह चलती है। जिसमे प्रतिदिन भीषण धूम के बीच दोपहर 12 से 3 बजे तक संत प्रज्वलित कंडो का घेरा बनाकर अपने सिर पर जलता हुआ खप्पर रखकर इश्वर की आराधना करेगे। यह तपस्या आश्रम में ब्रह्मलीन संत श्री सुन्दर दास महाराज के समय से चली आ रही

है। आश्रम के गादी पति श्री श्री 1008 महंत श्री बालकदास जी महाराज इस तप को पिछले कई वर्षो से कर रहे है। इस तप के अंतर्गत पंच धुनी, सप्त धुनी, द्वादश धुनी के रूप में तपस्या की जाती है। इस दौरान बड़ी संख्या में भक्त दर्शन लाभ लेने आते हैं। 18 साल में पूरी होती है तपस्या– नारायण दास महाराज ने बताया की 18 साल तक तप करने के बाद ही यह तपस्या पूर्ण होती है। जो छह चरण में पूरा होता है। पहले चरण को पंच धूनी कहते हैं, यह तीन साल का होता है। बसंत पंचमी के दिन ही इसकी शुरुआत होती है। डेढ़ से तीन घंटे तक संत तपस्या में लीन रहते हैं। पंच धुनी में वे चार स्थान पर आग जलाते हैं। पांचवें स्थान को सूर्य देव मानते हैं। यह चरण पूरा करने के बाद सप्त धुनी होती है। इसे पूरा करने में भी तीन साल लगते हैं। इसमें संत छह स्थानों पर आग जलाते हैं। सातवां सूर्यदेव की गर्मी लेते हैं। तीसरा चरण बारह और चौथा चरण 84 धुनी का होता है। यह भी तीन–तीन साल चलता है। इसमें संत आग का गोल घेरा बनाकर तपस्या करते हैं। जिसे कोठ या खप्पर बोलते हैं। इसमें संत अपने सिर पर खप्पर जला कर तपस्या करते हैं। 18 साल तक तप करने पर यह तपस्या पूर्ण होती है।

बाल विवाह मुक्ति रथ का शुभारंभ

जनप्रतिनिधियों व प्रशासन ने लिया बाल विवाह रोकथाम का संकल्प

अनोखा तीर, देवास। संस्था आस द्वारा बाल विवाह की रोकथाम एवं समाज में कानूनी जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से संचालित 100 दिवसीय बाल विवाह मुक्त अभियान के अंतर्गत बाल विवाह मुक्ति रथ का निर्माण किया गया। उक्त रथ का शुभारंभ देवास में जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक

अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम में विधायक गायत्री राजे पवार, महापौर श्रीमती गीता दुर्गेश अग्रवाल, सभापति रवि जैन, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती अंशु जावला, महिला एवं बाल विकास विभाग से संदीप किरार जिला बाल संरक्षण अधिकारी, सुश्री एकता जायसवाल काउंसलर, सुश्री सीमा यादव अध्यक्ष, बाल कल्याण समिति, बाल कल्याण समिति के सदस्यगण तथा संस्था आस से फूलकुंवर राजपूत, जागेंद्र यादव एवं एक्सेस टू जस्टिस परियोजना की समस्त टीम उपस्थित रही। इस अवसर पर सभी जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा बाल विवाह मुक्ति रथ को हरी झंडी दिखाकर ग्रामीण क्षेत्रों के लिए रवाना किया। साथ ही उपस्थित अतिथियों द्वारा हस्ताक्षर कर बाल विवाह रोकथाम के लिए संकल्प भी लिया गया। बाल विवाह मुक्ति रथ देवास जिले के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण करेगा।

हरसूद में 46वां सामूहिक विवाह संपन्न

अनोखा तीर, खंडवा। बसंत पंचमी के पावन पर्व पर तिरोले कुनबी पटेल छात्रावास हरसूद में सामूहिक विवाह सम्मेलन का 46वां आयोजन शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में मातृशक्ति एवं सामाजिक बंधुगण उपस्थित रहे। सभी जोड़ों का वैवाहिक संस्कार पं. यदुनंदन पाराशर द्वारा विधि–विधान से संपन्न कराया गया। कार्यक्रम में उमाशंकर पटेल, पूर्व ओंकारेश्वर धर्मशाला अध्यक्ष एवं केवल पटेल की ओर से नवविवाहित जोड़ों को आम के पौधे एवं पांच–पांच बर्तन भेंट किए गए। इसके अलावा समाजजनों द्वारा भी विभिन्न उपयोगी सामग्री प्रदान की गई। वक्ताओं ने अपने संबोधन में डीजे संस्कृति से दूर रहने, युवाओं को नशे से बचाने तथा फिजूलखर्ची वाली शादियों पर प्रतिबंध लगाने की आवश्यकता पर जोर दिया। अंत में रामदीन गोर ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

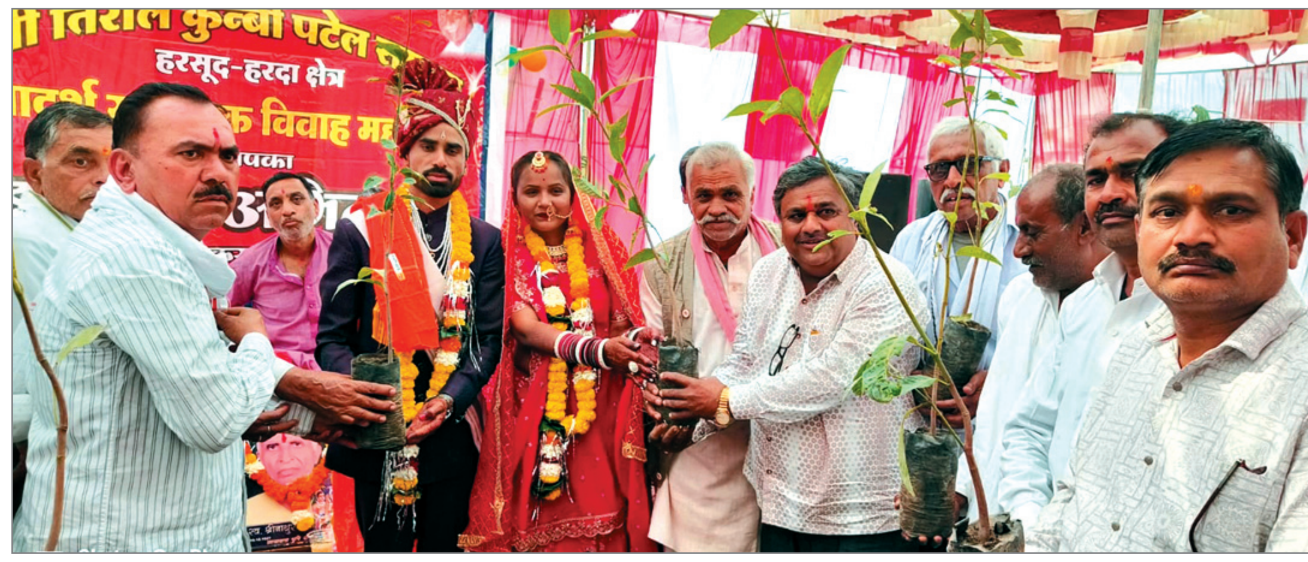

सब जेल के नवीन बैरक के लोकार्पण कार्यक्रम में

उजागर हुई भाजपा की अंदरूनी गुटबाजी

- शिलालेख पर नाम अंकित नहीं होने से कुछ जनप्रतिनिधियों ने कार्यक्रम से बनाई दूरी
- स्थानीय जनप्रतिनिधियों की अनदेखी, बाहरी जनप्रतिनिधियों का नाम शिलालेख पर करवाया अंकित

अनोखा तीर, बड़वाह।

विगत कुछ सालों से शहर में कुछ भाजपा नेता और कार्यकर्ता के बीच की दूरी और गुटबाजी आसानी से नापी जा सकती है,ऐसा इसलिए क्योंकि काटकूट फाटे स्थित स्थानीय सब जेल में शुक्रवार सुबह 11 बजे नवनिर्मित डबल स्टोरी बैरक एवं वीसी कक्ष का लोकार्पण समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल एवं विशेष अतिथि विधायक सचिन बिरला रहे। दोनों जनप्रतिनिधियों ने फीता काटकर नवीन भवनों का लोकार्पण किया। इस अवसर पर जेलर युवराज सिंह मुवेल ने जानकारी देते हुए बताया कि 1 करोड़ 19 लाख 61 हजार रुपए की लागत से यह डबल स्टोरी बैरक निर्मित किया गया है। पुराने बैरक की तुलना में नवीन बैरक में हवा और रोशनी की बेहतर व्यवस्था है। पुराने बैरक में जहां 70 बंदियों की क्षमता थी, वहीं अब 110 कैदियों को रखने की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। उन्होंने सांसद श्री पाटिल से सब जेल परिसर में बोरिंग करवाने एवं कुछ स्थानों पर सड़क निर्माण की मांग रखी, जिस पर सांसद ने शीघ्र पूरा करने का आश्वासन दिया।

शिलालेख का पर्दा हटते ही चौक गए जनप्रतिनिधि– कार्यक्रम के दौरान भाजपा की अंदरूनी गुटबाजी उस समय खुलकर सामने आई, जब नवनिर्मित बैरक भवन के बाहर लगे शिलालेख का पर्दा हटते ही उस पर नपाध्यक्ष राकेश गुप्ता, ग्राम पंचायत सिरलाय के सरपंच राजकुमार वर्मा एवं नगर मंडल अध्यक्ष अंकित गुप्ता के नाम नदारद दिखा। इसे लेकर कार्यक्रम स्थल पर जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं के बीच चर्चा होती रही। गौरतलब है कि

जिस जेल में यह बैरक बना है, वह क्षेत्र ग्राम पंचायत सिरलाय के अंतर्गत आता है। ऐसे में भवन निर्माण के दौरान पंचायत स्तर की भूमिका के बावजूद सरपंच राजकुमार वर्मा का नाम शिलालेख में नहीं होना, भाजपा की अंदरूनी गुटबाजी को उजागर करता है। हालांकि जेलर युवराज सिंह मुवेल ने कहा कि हमें जो सूची दी गई थी, उसी के अनुसार शिलालेख पर नाम अंकित किए गए हैं। हालांकि हमें जेल में होने वाले कुछ आवश्यक कार्य के दौरान सरपंच श्री वर्मा का भी सहयोग रहता है। जिसके अनुसार उनका नाम शिलालेख पर अंकित होना था।

पहले और अब के लोकार्पण के दौरान नामों का अंतर क्यों – स्थानीय सब जेल में पूर्व में तत्कालीन एसडीएम अनुकूल जैन के कार्यकाल में भी एक नवीन बैरक का लोकार्पण हुआ था। तब भी शिलालेख पर सांसद, विधायक के साथ ग्रामीण एवं नगर मंडल अध्यक्षों के नाम भी अंकित किए गए थे। लेकिन इस बार के लोकार्पण में शिलालेख पर सांसद, विधायक, जिला पंचायत सदस्य, जिला उपाध्यक्ष एवं ग्रामीण मंडल अध्यक्ष खुमान जाट का ही नाम दर्ज किया गया। हालांकि जिन जनप्रतिनिधियों के नाम शिलालेख में अंकित नहीं थे, उन जनप्रतिनिधियों ने इस कार्यक्रम से दूरी बनाए रखी।

विधिक साक्षरता शिविर संपन्न

अनोखा तीर, खंडवा। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती ममता जैन के मार्गदर्शन में शुक्रवार को मैक्रो विजन स्कूल में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मैक्रो विजन स्कूल के डायरेक्टर सचिन बुटोला, प्राचार्य श्रीमती पायल पटेल बुटोला पैरालीगल वालंटियर्स सत्यप्रकाश मिश्रा भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण खंडवा के सचिव पियूष भावे ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में बच्चों के प्रति लैंगिक शोषण के मामलों में काफी वृद्धि हुई है, लैंगिक शोषण बच्चों के प्रति गंभीर अपराध है। उन्होंने बच्चों को शिक्षा के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि शिक्षा वह नीव है जिससे अच्छे भविष्य का निर्माण किया जाता है। शिक्षित व्यक्ति स्वंय के साथ–साथ अपने परिवार समाज व देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। श्री भावे ने छात्र–छात्राओं को सायबर अपराध से बचाव के बारे में भी बताया।

गणतंत्र दिवस पर विद्यार्थियों को स्कूल में मिलेगा विशेष भोज

अनोखा तीर, खंडवा।

आगामी 26 जनवरी को प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के तहत शासकीय एवं शासन से अनुदान प्राप्त सभी प्राथमिक शालाएं, मदरसे एवं माध्यमिक शालाओं में विद्यार्थियों के विशेष भोज का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने सभी एसडीएम, जिला परियोजना समन्वयक, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत व मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि विशेष भोज में विद्यार्थियों को सब्जी, पूरी, खीर अथवा सब्जी, पूरी, हलवा या मिठाई का वितरण किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि गणतंत्र दिवस पर विशेष भोज के लिए भोजन स्वच्छ स्थान पर शुद्धता व गुणवत्तापूर्ण ढंग से बनाया जाए।

एसएन कॉलेज में मॉक इंटरव्यू अब 1 फरवरी को होंगे

अनोखा तीर, खंडवा। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, श्री नीलकंठेश्वर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, खंडवा के प्राचार्य ने बताया कि मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग सहायक प्राध्यापक परीक्षा के मॉक साक्षात्कार की तारीख अपरिहार्य कारणों से बढ़ा दी गई है। अब यह साक्षात्कार पूर्व निर्धारित तिथि 25 जनवरी के स्थान पर 1 फरवरी रविवार को प्रातः 10 बजे से आयोजित होंगे। अन्य सभी व्यवस्थाएं एवं शर्तें पूर्ववत ही रहेंगी। प्राचार्य ने सभी पंजीकृत अभ्यर्थियों को निर्देशित किया जाता है कि वे निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित रहें।

हिन्दू बाल सेवा सदन में मेघावी छात्र सम्मान समारोह

अनोखा तीर, खंडवा। सेठ मुरलीधर मानसिंगका हिन्दू बाल सेवा सदन हाईस्कूल में मेघावी छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक कंचन तनवे रहीं, जबकि अध्यक्षता महापौर अमृता अमर यादव ने की।

विशेष अतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष राजपालसिंह तोमर, पार्षद सीमा महेन्द्र यादव एवं पूर्व महापौर अणिमा उबेजा उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्वलन से हुआ। प्रारंभ में अध्यक्षीय उद्बोधन अध्यक्ष विनय नेगी ने दिया। इसके पश्चात सत्र 2024-25 में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को ट्रॉफी एवं ड्रेस प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही शाला की विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को भी सम्मान दिया गया। मुख्य अतिथि विधायक कंचन तनवे ने कहा कि छोटे बच्चे गीली मिट्टी के समान होते हैं, जिन्हें शिक्षक शिक्षा एवं संस्कार देकर आदर्श नागरिक बनाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। महापौर अमृता अमर यादव ने कहा कि शाला संस्कार प्राप्त करने की प्रथम सीढ़ी है, जहां से बच्चों के भविष्य का निर्माण होता है।

भाजपा जिलाध्यक्ष राजपालसिंह तोमर ने शाला के उत्कृष्ट परिणामों की सराहना करते हुए विद्यार्थियों से मन लगाकर अध्ययन करने का आग्रह किया। पार्षद सीमा महेन्द्र यादव ने शिक्षा को सफलता की कुंजी बताया, वहीं पूर्व महापौर अणिमा उबेजा ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। अतिथियों का स्वागत विनय नेगी, सुनील बंसल, गुरमीतसिंह उबेजा, सुभाष खंडेलवाल, अनिल बाहेती एवं शैलेश पालीवाल ने किया। शाला का प्रगति प्रतिवेदन प्राचार्य अक्षता शर्मा ने प्रस्तुत किया।

- नपा सीएमओ ने जल शाखा के कर्मचारी और प्रभारियों के नाम वार्डो में किए सार्वजनिक

इंदौर के भागीरथ पूरा हादसे के बाद बड़वाह में भी स्वच्छ जल अभियान का कार्य हुआ प्रारंभ

अनोखा तीर, बड़वाह।

इंदौर के भगीरथपूरा क्षेत्र में दूषित पानी से हुई मौतों के बाद मध्यप्रदेश शासन द्वारा 10 जनवरी से स्वच्छ जल अभियान प्रारंभ किया गया है। जिसके अंतर्गत नगर पालिका बड़वाह सीएमओ कुलदीप किंशुक ने भी बड़वाह शहर में जल प्रदाय पर अपनी पहरी नजर बना रखी है। जिनके द्वारा जल सुरक्षा, जल संरक्षण एवं जल सुनवाई हेतु कार्य किया जा रहा है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री किंशुक ने बताया कि शहर के समस्त वार्डो में पीने के पानी का सैंपल लेकर परीक्षण करवाया जा रहा है। इस कार्य के लिए आम नागरिकों को स्वच्छ जल के लिए मुनादी कर जागरूक किया जा रहा है, ताकि वह स्वयं पानी की गुणवत्ता पर ध्यान दें और दूषित पानी आने पर समय पर नपा में शिकायत दर्ज कर सकें। उल्लेखनीय है कि शहर में सीआईएसएफ कैंपस स्थित

संपवेल और ओवरहेड टैंक की साफ सफाई का कार्य कराया गया। इसके साथ ही कंवर कॉलोनी स्थित कुएं की साफ-सफाई करवाई गई। जबकि कोई भी पाईप लाइन लीकेज होने की शिकायत मिलने पर उसका त्वरित निराकरण किया जा रहा है। स्वच्छ जल अभियान अंतर्गत प्रति मंगलवार को जल-सुनवाई का भी आयोजन नगर पालिका कार्यालय में किया जा रहा है वहीं जल शाखा के कर्मचारी एवं प्रभारी के नाम वार्डो में सार्वजनिक कराए गए हैं। नगर पालिका इंजीनियर श्वेता सुमन ने बताया कि इस कार्य में हमें नगरवासियों और पार्षदों का भी पूरा सहयोग मिल रहा है। जिसके कारण समय पर दूषित पानी मिलने की शिकायत पर उसका निराकरण किया जा रहा है।

अधिकारी कर्मचारियों को राष्ट्रीय मतदाता दिवस की शपथ दिलाई

अनोखा तीर, खंडवा। 16वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस 25 जनवरी को मनाया जाएगा। शनिवार 24 जनवरी एवं रविवार 25 जनवरी को शासकीय अवकाश होने से कलेक्ट्रेट एवं अन्य शासकीय कार्यालयों में अधिकारी कर्मचारियों को राष्ट्रीय मतदाता दिवस की शपथ शुक्रवार को दिलाई गई। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम में अपर कलेक्टर केआर बड़ोले ने उपस्थित अधिकारी कर्मचारियों को शपथ दिलाई। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर दिनेश सावले सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद थे।

गणतंत्र दिवस समारोह में मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह करेंगे ध्वजारोहण–गणतंत्र दिवस आगामी 26 जनवरी को हर्षोल्लास एवं समारोहपूर्वक मनाया जाएगा। गणतंत्र दिवस पर जिला स्तरीय कार्यक्रम में प्रदेश के जनजातीय कार्य विभाग के मंत्री डॉक्टर कुंवर विजय शाह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। मंत्री डॉ. शाह स्थानीय स्टेडियम ग्राउण्ड पर आयोजित कार्यक्रम में ध्वजारोहण कर परेड की सलामी लेंगे और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संदेश का वाचन करेंगे।

संघ शताब्दी गीतों की सुमधुर प्रस्तुति

अनोखा तीर, खंडवा। वसंत पंचमी के अवसर पर सरस्वती विद्या मंदिर में संस्कार भारती खंडवा इकाई द्वारा संघ शताब्दी वर्ष पर आधारित गीतों का सामूहिक गायन किया गया। कार्यक्रम में लगभग 100 बच्चों एवं पदाधिकारियों ने सहभागिता की। सरस्वती विद्या मंदिर कल्याणगंज के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती पूजन एवं हवन से हुई, जिसके पश्चात संघ शताब्दी वर्ष पर केंद्रित गीतों एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम का संगीतृ निर्देशन मनोज जोशी एवं राधेश्याम चौहान ने किया। कार्यक्रम में समाजसेवी मंगल यादव, संघ पदाधिकारी ब्रह्मानंद पाराशर तथा विद्या भारती पदाधिकारी सत्यनारायण लौवंशी ने अपने विचार व्यक्त किए। संस्कार भारती अध्यक्ष विजय सोनी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि संस्कार भारती प्रतिवर्ष वसंत उत्सव का आयोजन करती है। वहीं अनिल बाहेती ने जानकारी दी कि परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी वसंत उत्सव एवं भरतमुनि स्मरण दिवस का आयोजन माघी पूर्णिमा पर 1 फरवरी को रामेश्वर आम्रकुंज में किया जाएगा। इस अवसर पर आलोक शुक्ला, मोनिका पालीवाल, तनुजा शाह, शर्मिष्ठा तोमर, पंकज शाह, चारुलता यादव, प्राचार्य शोभा तोमर सहित शाला स्टाफ, पालकगण एवं भैया-बहन उपस्थित रहे।

जाहिर सूचना

दिनांक : 22/01/2026

मेरे पक्षकार इंडिया शेल्टर फाइनेन्स कारपोरेशन धार द्वारा प्राप्त जानकारी एवं निर्देशानुसार सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा भावी ऋणी **संजय सेन पिता राजाराम सेन** निवासी मकान नं. 25, वार्ड नं. 21, मोतीपुरा, खरगोन, जिला खरगोन, (म.प्र.) को उनका पता संजय नगर, मोतीपुरा, खरगोन जो कि गाँव के मुख्य मार्ग के अंदर स्थित है, **जिला खरगोन (म.प्र.)**, का कुल क्षेत्रफल 950 वर्गफीट जिला खरगोन को बंधक रखकर उस पर ऋण दिया जाना प्रस्तावित है। उक्त मकान **संजय सेन पिता राजाराम सेन,** जिला खरगोन का होकर रजिस्टर्ड पत्र विलेख दस्तावेज क्रमांक MP8IGR17752026A100076660 दिनांक 21/01/2026 है। जिसकी चर्तुसीमा निम्न प्रकार है:- उत्तर- कमलेश पिता भीमसिंह का मकान, दक्षिण- सावित्री पति रामेश्वर का मकान है, पूर्व- मेन रोड, पश्चिम- गिरधारी पिता राजाराम का मकान है।

जिस किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक या वित्तीय संस्था या वारिस को स्वत्व या बंधक संबंधी कोई आपत्ति हो तो वह 07 दिवस के अंदर संलिखित प्रमाण के मेरे कार्यालय में संपर्क करें। अन्यथा बाद मियाद मेरे पक्षकार द्वारा प्रस्तावित ऋणी की उक्त संपत्ति को बंधक रखकर उस पर ऋण प्रदाय कर दिया जावेगा।

भवदीय
अभय रावत एडवोकेट,
9, सुन्दरवन कालोनी, गीत गार्डन के पास, धार
मोबाईल नंबर- 80859-04049

गुप्त नवरात्रि : चतुर्थ दिवस पर ब्रह्मांड की स्वामिनी मां भुवनेश्वरी की आराधना

● साधकों को मिलेगा ऐश्वर्य और अभय का वरदान

अनोखा तीर, नर्मदापुरम। माघ मास की पावन गुप्त नवरात्रि के चतुर्थ दिवस पर आज देशभर के शक्तिपीठों एवं साधना केंद्रों में दस महाविद्याओं में चतुर्थ स्थान रखने वाली मां भुवनेश्वरी की विशेष आराधना की जा रही है। गुप्त साधना के लिए समर्पित इन दिनों में मां भुवनेश्वरी की पूजा को भौतिक एवं आध्यात्मिक उन्नति के लिए अत्यंत फलदायी माना गया है। विख्यात ज्योतिषाचार्य पं. यश उपाध्याय के अनुसार, मां भुवनेश्वरी केवल एक देवी स्वरूप नहीं, बल्कि संपूर्ण ब्रह्मांड की अधिष्ठात्री और 'मूल प्रकृति' हैं। वे आकाश तत्व का प्रतिनिधित्व करती हैं और समस्त चराचर जगत को अपने भीतर धारण किए हुए हैं। शास्त्रों में वर्णित है कि मां के संकल्प मात्र से ही सृष्टि का सृजन, पालन और संहार संभव होता है। मनोरथ पं. उपाध्याय बताते हैं कि जो साधक गुप्त नवरात्रि के इस विशेष दिवस पर मां भुवनेश्वरी की उपासना करता है, उसे अनेक दिव्य फलों की प्राप्ति होती है। मां की कृपा से भूमि, भवन, वाहन और धन-समृद्धि की प्राप्ति होती है। साधना से आत्मविश्वास और साहस में वृद्धि होती है, जिससे साधक हर कठिन परिस्थिति का सामना कर पाता है। मां भुवनेश्वरी को शत्रु बाधा, तंत्र-मंत्र और बुरी शक्तियों से रक्षा करने वाली अभेद्य शक्ति माना गया है। यह साधना मानसिक तनाव, भय और अस्थिरता को दूर कर जीवन में शांति एवं संतुलन प्रदान करती है।

गुप्त नवरात्रि का विशेष महत्व

सामान्य नवरात्रि की तुलना में गुप्त नवरात्रि में की गई साधना का प्रभाव कई गुना अधिक माना जाता है। पं. यश उपाध्याय के अनुसार इन दिनों में की गई सात्विक साधना साधक को आत्म–साक्षात्कार की ओर अग्रसर करती है। मां भुवनेश्वरी का सौम्य और करुणामयी स्वरूप भक्तों के लिए अत्यंत कल्याणकारी है और उनकी उपासना से जीवन के सभी अभावों का अंत होकर सुख, शांति और समृद्धि की प्राप्ति होती।

वार्षिकोत्सव एवं सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

अनोखा तीर, माखननगर। स्थानीय पीएम श्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में शुक्रवार को वार्षिक उत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। आयोजन में मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद माया नारोलिया, कार्यक्रम अध्यक्ष विधायक विजयपाल सिंह एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में जपं अध्यक्ष सावित्रीबाई परनामे, नप अध्यक्ष रीना आकाश तिवारी, पार्षद रुक्मणि महेश साहू रहे। कार्यक्रम में सर्व प्रथम खेल के प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित किया गया। इसके उपरांत राज्यसभा सांसद की ओर से शिक्षण टेबल के साथ स्कूल बैग का वितरण किया गया। आयोजन में समस्त पार्षद गण, स्कूल स्टाफ एवं विद्यार्थी व समस्त गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सार-समाचार

मनरेगा बचाओ ग्राम चौपाल में शामिल हुए पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह

अनोखा तीर, सोहागपुर। ग्राम पंचायत कामती में मनरेगा बचाओ चौपाल में शुक्रवार को पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह शामिल हुए। जिसमें उन्होंने आदिवासी भाईयों एवं बहनों से मनरेगा के संबंध में चर्चा की। साथ ही नई योजना को ग्रामीणों के लिए अहितकारी बताया एवं उनसे

उनकी समस्याओं की जानकारी ली। जहां आदिवासियों ने खुलकर उन्हें अपनी समस्याओं से अवगत कराया। जिसमें विस्थापन,सेंसेटिव जोन बेरोजगार की चर्चा की, वहीं ग्राम इकाई की भी घोषणा कार्यक्रम के दौरान की गई। कार्यक्रम उपरांत उन्होंने आदिवासियों भाईयों- बहनों के साथ भोजन किया। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष गुड्डन पांडे, पुष्पराज पटेल, ब्लॉक अध्यक्ष सुधीर ठाकुर, नगर अध्यक्ष प्रशांत जयसवाल, राजा पलिया, केलु उपाध्याय, बाबू चौधरी,अमिताभ तिवारी, गुड्डू चौधरी,राजेंद्र उईके, महेश उईके, ऋषभ दीक्षित, अजय ठाकुर, भास्कर मांझी, कार्तिक शर्मा इरफान खान सहित कांग्रेस कार्यकर्ता सहित सैकड़ों आदिवासी भाई-बहन शामिल हुए।

मां नर्मदा जयंती के उपलक्ष्य में चुनरी यात्रा एवं विशाल भंडारे का होगा आयोजन

अनोखा तीर, सोहागपुर। 25 जनवरी को मां नर्मदा जयंती के उपलक्ष्य में शंकर मंदिर सोहागपुर से काली मंदिर तक पैदल चुनरी यात्रा निकाली जाएगी एवं काली मंदिर से पल्केश्वर धाम गोस्वामी आश्रम मां नर्मदा तट पलकमती संगम ईश्वरपुर के पास तक 15 किमी. वाहन यात्रा निकाली जाएगी। यह चुनरी यात्रा सुबह 09 बजे शंकर मंदिर हनुमान नाका के पास से प्रारंभ होगी। मां नर्मदा चुनरी यात्रा के समापन पर विशाल भंडारा का आयोजन किया जाएगा। साथ ही शाम को दीपदान किया जाएगा। इस चुनरी यात्रा का आयोजन वैद्य राम नरेश गिरी गोस्वामी पलकेश्वर धाम ईश्वरपुर के द्वारा किया जा रहा है। इस अवसर पर रेवा चरण सेवक पं. आनंद गिरि गोस्वामी वेदांती आश्रम वृंदावन धाम उपस्थित रहेंगे। आयोजक द्वारा सभी धर्म प्रेमी बंधुओं से सपरिवार इस चुनरी यात्रा और भंडारे में शामिल होने का निवेदन किया है।

मध्य प्रदेश आजाद कोटवार संघ ने अपनी मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

अनोखा तीर, सोहागपुर। मध्य प्रदेश आजाद कोटवार कर्मचारी संघ शाखा सोहागपुर जिला नर्मदापुरम के द्वारा मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश शासन के नाम ज्ञापन तहसीलदार रामकिशोर झडबड़े को सौंपा है। इस ज्ञापन कहा कि अभी ठेकेदार के द्वारा जो वर्दी एवं सामग्री प्रदान की जा रही है। वह अत्यंत निम्न स्तर की है और पहनने के योग्य नहीं है। यह शासन के आदेश की अबहेलना और सरकारी धन का दुरउपयोग है। इनका कहना है

कि वर्दी देने की बजाय कोटवारों को उनके बैंक खाते में यह राशि ट्रांसफर की जाए, ताकि हम स्वयं अपनी सुविधा से गुणवत्तापूर्ण वर्दी बना सकें। उनका यह भी कहना है कि अगर तकनीकी कारणों से राशि खातों में डालना संभव न हो तो कोटवार संघ के निर्णय लिया है कि हम ऐसी घटिया वर्दी स्वीकार नहीं करेंगे। ऐसी स्थिति में हम वर्दी की राशि को मुख्यमंत्री सहायता कोष में जमा करने का आग्रह करते हैं, ताकि उस धन का उपयोग जनहित में हो सके। आजाद कोटवार संघ का कहना है कि वर्तमान में कोटवारों पर उक्त घटिया सामग्री लेने के लिए प्रशासनिक दबाव बनाया जा रहा है। हमारा निवेदन है कि किसी भी कोटवारों को ऐसी वर्दी लेने के लिए विवश न किया जाए एवं ठेकेदार को किए जाने वाले भुगतान पर तत्काल रोक लगाई जाए। यदि कोटवारों को दी जाने वाली सामग्री की राशि सीधे खाते में नहीं की जा सकती तो हमारी वर्दी और सामग्री की राशि मुख्यमंत्री राहत कोष में जमा की जाए। साथ ही घटिया सामग्री प्रदान करने वाले ठेकेदार की जांच कर उचित कार्रवाई की जाए।

सर्व ब्राह्मण समाज संगठन ने तहसीलदार को दिया ज्ञापन

अनोखा तीर, माखननगर। सर्व ब्राह्मण समाज संगठन इकाई माखन नगर द्वारा राष्ट्रपति के नाम तहसीलदार को ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। जिसमें बताया कि आदि शंकराचार्य सनातन धर्म और संस्कृति के सबसे बड़े संरक्षक होते हैं। विशेष पर्वों पर इनको एवं धर्म गुरुओं को विशेष

सुविधा से स्नान का अधिकार प्राप्त है। प्रयागराज के माघ मेले में मेला प्रशासन द्वारा उनका मौलिक अधिकार छीनकर उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया, शिष्यों के साथ मारपीट की गई। साथ ही बटुकों की चोटी पकड़कर घसीटा गया। निश्चित ही यह घटना सनातन विरोधी है। इस घटना का सर्व ब्राह्मण समाज विरोध करता है। साथ ही प्रशासन द्वारा आदि शंकराचार्य से माफी मांगने की मांग करता है। ज्ञापन देते समय बड़ी संख्या में सदस्य गण शामिल रहे।

● पत्रकारों एवं वरिष्ठ अधिवक्ता ने मां सरस्वती से ज्ञान, विवेक और सद्बुद्धि की कामना की

अनोखा तीर कार्यालय में बसंत पंचमी पर मां सरस्वती की विधिवत पूजा-अर्चना एवं हवन संपन्न

अनोखा तीर, नर्मदापुरम। नगर के कोठी बाजार स्थित अनोखा तीर कार्यालय में बसंत पंचमी के पावन अवसर पर मां सरस्वती की विधिवत पूजा-अर्चना एवं विशेष हवन का आयोजन श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ किया गया। इस अवसर पर पत्रकारों, समाजसेवियों एवं वरिष्ठ अधिवक्ता ने सामूहिक रूप से सहभागिता कर मां सरस्वती से ज्ञान, विवेक और सद्मार्ग पर चलने की प्रार्थना की। पूजन कार्यक्रम के दौरान पत्रकार राजीव अग्रवाल, पत्रकार बलराम शर्मा, पत्रकार मनोज सोनी, समाजसेवी एवं पत्रकार डॉ. सीमा केथवास, पत्रकार शैलेंद्र कौरव, पत्रकार मुकेश भदोरिया, पत्रकार राजा रोहर तथा वरिष्ठ

अधिवक्ता केके थापके ने हवन में विशेष आहुति अर्पित की। इसके साथ ही पत्रकार बसंत माझी सहित अन्य पत्रकार एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर अनोखा तीर के ब्यूरो चीफ गजेंद्र राजपूत ने बताया कि बसंत पंचमी के पावन पर्व पर कार्यालय में मां सरस्वती की विधिविधान से पूजा-अर्चना कर विशेष हवन किया गया। मां सरस्वती से प्रार्थना की गई कि सभी पत्रकारों एवं जिले के नागरिकों के जीवन में सदैव ज्ञान, विवेक, सद्बुद्धि और सकारात्मक सोच का वास बना रहे। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता समाज को दिशा देने का महत्वपूर्ण माध्यम है और मां सरस्वती की कृपा से यह दायित्व और अधिक निष्पक्ष, सशक्त एवं जनहितकारी बनता है। पूरे कार्यक्रम के दौरान वातावरण भक्तिमय बना रहा। मंत्रोच्चार, हवन की आहुतियों और मां सरस्वती की आराधना से अनोखा तीर कार्यालय आध्यात्मिक ऊर्जा और श्रद्धा से ओत-प्रोत नजर आया।

हरी से मोह लगने के बाद सब माया पीछे रह जाती है : पं. महाराज

अनोखा तीर, सिवनी मालवा। सब माया मोह के चक्कर में फंसे हैं, लेकिन जब यही मोह हरी से हो जाता है तब सब माया पीछे रह जाती है। उक्त बात पं. राजेश महाराज ने बानापुरा में चल रही भागवत कथा में कहा में कही। व्यास गादी से कथा को विस्तार देते हुए भरत चरित्र का वर्णन सुनाया। उन्होंने कहा कि मोह माया पीछा नहीं छोड़ती। भरत जी महाराज जंगल में तपस्या करने गए और एक मृग शावक से मोह हो गया तो कहते हैं कि गए थे हरि भजन को और ओटन लगे कपास.. इसलिए भक्ति मार्ग में मोह को छोड़कर के भक्ति करना चाहिए। जैसे ध्रुव जी महाराज ने 6 वर्ष की अवस्था में ही भगवान को प्राप्त कर लिया था। वह किसी मोह में नहीं लगे तब ही प्रभु को प्राप्त कर सके। उन्हें नारद जी जैसे गुरु मिले थे जिनकी बतायी भक्ति मार्ग से ध्रुब जी ने भगवान को प्राप्त किया था। सद्गुरु के मिलते है तो भागवत प्रताप में कोई बाधा नहीं आती है। भगवान ही निष्कम भक्तों की इच्छाओं को पूर्ण करते हैं। बाबा नंद और यशोदा ने भगवान को घर में ही भजन करके और प्राप्त कर लिया। पंडित जी ने आगे बताया कि आज के समय में सभी माया के चक्कर में लगे हैं और भगवत

भक्ति भूलते जा रहे हैं, तब ही आज के समय में पाप बढ़ता जा रहा है। भगवत भक्ति के लिए किसी के पास समय ही नहीं है सब माया के पीछे भाग रहे हैं। मानव इस माया मोह के चक्कर मे ना पड़कर भगवत भजन करे तो वह अपना इस लोक के साथ परलोक को भी सुधार सकता है। भागवत कथा में भगवान कृष्ण जन्म की कथा सुनाते समय नगर के कल्लू रघुवंशी अपनी पत्नी छमा रघुवंशी के साथ सिर पर टोकरी रखकर कथा स्थल पर पहुंचे। कथा मे वासूदेव और देवकी जी के कष्ट का प्रसंग भी सुनाते हुए कृष्ण जन्म का उत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया।

कर्तव्य बोध दिवस कार्यक्रम का हुआ आयोजन

अनोखा तीर, सेमरी हरचंद। 12 जनवरी स्वामी विवेकानंद जयंती से 23 जनवरी नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती तक अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के आह्वान पर मध्य प्रदेश शिक्षक संघ द्वारा विद्यालयों में कर्तव्य बोध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में स्थानीय शासकीय कन्या उमा विद्यालय में समाजसेवियों, स्कूल संचालकों, शाला परिवार एवं छात्राओं की उपस्थिति में गुरुवार को कर्तव्य बोध दिवस कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष मालकजी पटेल ने कहा कि हम सभी को मिलकर यह संकल्प लेना चाहिए कि हम जीवन के जिस भी क्षेत्र में कार्यरत हैं, वहां पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ

अपने कर्तव्यों का पालन करेंगे। ऐसा करने से हम स्वयं, हमारा परिवार, हमारा विद्यालय, हमारा समाज तथा हमारा देश प्रगति और ऊंचाइयों को प्राप्त कर सकता है। विद्यालय के प्राचार्य संतोष कुमार ठाकुर ने स्वामी विवेकानंद एवं नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवन आदर्शों के संदर्भ में अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर ज्ञानांजलि शिक्षा निकेतन के प्राचार्य राधारमण मिश्रा, न्यू स्टेप मिडिल स्कूल के संचालक धनीराम मौर्य, तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दायित्ववान पदाधिकारियों में देवेश शर्मा, संदीप महेश्वरी, शिवनारायण पटेल रजनीकांत सोनी सेवा निवृत्त शिक्षक एवं घनश्याम गोस्वामी ने भी कर्तव्य बोध दिवस पर प्रेरक विचार रखे। कार्यक्रम के अंत में मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के तहसील अध्यक्ष रामनरेश सिंह ने सभी अतिथियों एवं उपस्थितजनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

गणतंत्र दिवस समारोह की अंतिम रिहर्सल संपन्न

सीईओ ने ध्वज फहराकर ली परेड की सलामी, एसपी के साथ किया निरीक्षण

अनोखा तीर, नर्मदापुरम। 26 जनवरी को आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों के तहत शुक्रवार को पुलिस परेड ग्राउंड में अंतिम रिहर्सल का आयोजन किया गया। रिहर्सल में जिपं के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हिमांशु जैन ने ध्वज फहराकर परेड की सलामी ली। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक साई कृष्ण एस. थोटा के साथ सीईओ हिमांशु जैन ने खुली जीप में सवार होकर परेड का निरीक्षण किया। परेड दल द्वारा

आकर्षक मार्च पास्ट किया गया तथा सीईओ ने परेड कमांडरों से परिचय प्राप्त किया। अंतिम रिहर्सल के दौरान परेड दल द्वारा हर्ष फायर का भी अभ्यास किया गया। साथ ही स्कूली बच्चों ने अपने पीटी प्रदर्शन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रिहर्सल प्रस्तुत की। रिहर्सल के माध्यम से 26 जनवरी को होने वाले मुख्य समारोह की सभी तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। कार्यक्रम में अनुशासन, समन्वय और उत्साह का वातावरण देखने को मिला।

● मंगलाचरण के साथ होगा शुभारंभ आज

मां नर्मदा के विश्व प्रसिद्ध सेठानी घाट पर दो दिवसीय नर्मदा जयंती महोत्सव 25 जनवरी से

अनोखा तीर, नर्मदापुरम। मां नर्मदा के विश्व प्रसिद्ध सेठानी घाट पर दो दिवसीय मंगलचरण शनिवार सुबह 10 पूजा के साथ शुरुआत होगी। मां नर्मदा जयंती महोत्सव 25 जनवरी को श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाई जाएगी। महोत्सव का शुभारंभ मंगलाचरण के साथ किया जाएगा। इस पावन अवसर पर मां नर्मदा के जन्मोत्सव को लेकर पूरे नर्मदा तट को भव्य रूप से सजाया गया है। इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों में धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। मुख्य आयोजन सेठानी घाट पर प्रातः काल मंगलाचरण से प्रारंभ होगा। इसके बाद मां नर्मदा का विधिवत पूजन, दुग्धाभिषेक, पंचामृत अभिषेक एवं विशेष आरती की जाएगी। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मां नर्मदा की आराधना होगी, जिसमें साधु-संतों, पंडितों और श्रद्धालुओं की सहभागिता रहेगी। महोत्सव के अवसर पर सेठानी घाट सहित विभिन्न नर्मदा तटों को दुल्हन की तरह सजाया गया हैं। आकर्षक विद्युत सजावट, रंग-रोगन, पुष्प सज्जा और झिलमिलाती रोशनी से घाट का दृश्य अलौकिक नजर आएगा। दिनभर धार्मिक आयोजनों के साथ-साथ रंगोली, चित्रकला, मेहंदी प्रतियोगिताएं तथा भजन-कीर्तन के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। शाम के समय नृत्य नाटिका एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे, जिनमें स्थानीय कलाकारों और स्कूली बच्चों की सहभागिता रहेगी। शाम को मां नर्मदा की दिव्य महाआरती का आयोजन किया जाएगा। महाआरती के दौरान दीपदान की परंपरा निभाई जाएगी और हजारों दीपों की रोशनी से पूरा नर्मदा तट जगमगा उठेगा। इस दौरान श्रद्धालु मां नर्मदा के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित करेंगे। नर्मदा जयंती, जो माघ मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी को मनाई जाती है, प्रकृति संरक्षण, जल संवर्धन और आध्यात्मिक शुद्धि का प्रतीक मानी जाती है। इस पर्व के माध्यम से मां नर्मदा के प्रति श्रद्धा प्रकट करने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया जाता है। आयोजन समिति द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए व्यवस्थाएं की जा रही हैं। घाटों पर साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, चिकित्सा सहायता और सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए जाएंगे, ताकि श्रद्धालु शांतिपूर्ण और सुरक्षित वातावरण में पर्व मना सकें। नर्मदापुरम में मां नर्मदा जयंती महोत्सव हर वर्ष श्रद्धा और भक्ति का केंद्र बनता है। इस वर्ष भी हजारों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है, जिससे पूरा नगर भक्तिमय और उत्सवमय वातावरण में डूब जाएगा। सायं 5.30 बजे सेठानी घाट पर महाअभिषेक का भव्य आयोजन होगा, जिसका संचालन प्रसिद्ध धर्माचार्य पंडित सोमेश परसाई द्वारा किया जाएगा। इसके बाद सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जाएगा। रात्रि 7.30 बजे भोपाल से आए लोक कलाकार फूल सिंह माडरे द्वारा बुंदेली लोक गायन की प्रस्तुति दी जाएगी। वहीं रात्रि 8.30 बजे भक्ति गायन के अंतर्गत मुंबई की प्रसिद्ध कलाकार माधवी मधुकर झा द्वारा भक्ति संगीत की मनमोहक प्रस्तुति दी जाएगी। इन दोनों दिनों में वॉटर लेजर शो और भव्य आतिशबाजी का आयोजन किया जाएगा, जो नर्मदा तट की सुंदरता को और अधिक भव्य बनाएगा। कार्यक्रमों के दौरान सेठानी घाट सहित पूरे क्षेत्र में आकर्षक सजावट, प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छता, सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, पेयजल एवं चिकित्सा सुविधाओं के विशेष इंतजाम किए गए हैं। जिला प्रशासन एवं आयोजन समितियों द्वारा सभी श्रद्धालुओं और नगरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रमों में शामिल होकर मां नर्मदा प्राकट्योत्सव एवं नगर गौरव दिवस को श्रद्धा, उत्साह और गरिमा के साथ मनाने की अपील की गई है।

● वसंत पंचमी पर पीत वस्त्रों में सजे बच्चों ने किया मां सरस्वती का भव्य अभिषेक व आराधना

समेरिटंस विद्यालय में 15 सौ बच्चों ने एक साथ किया सरस्वती पूजन

अनोखा तीर, नर्मदापुरम। विद्या और ज्ञान की देवी मां सरस्वती के प्राकट्य उत्सव वसंत पंचमी के अवसर पर चक्कर रोड मालाखेड़ी स्थित समेरिटंस विद्यालय में वृहद स्तर पर सरस्वती पूजन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में एक साथ डेढ़ हजार से अधिक बच्चों ने सामूहिक रूप से मां सरस्वती की आराधना की, जिससे पूरा विद्यालय परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर हो गया। विद्यालय के प्री-प्राइमरी और प्राइमरी कक्षाओं के सभी विद्यार्थी घर से ही पूजन सामग्री जैसे प्रसाद, फूल, अक्षत, धूपबत्ती, आचमनी, जल पात्र, घंटी, शंख आदि लेकर आए थे। अधिकांश बच्चे पीत वस्त्र धारण कर अत्यंत आकर्षक और अनुशासित रूप में पूजन में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ बच्चों द्वारा सरस्वती वंदना के साथ किया गया। इसके पश्चात वेद मंत्रों के उच्चारण के साथ भगवान गणेश एवं मां सरस्वती का अभिषेक एवं विधिवत पूजन संपन्न हुआ। मां सरस्वती को पीले पुष्प एवं पीले प्रसाद का भोग अर्पित किया गया। विद्यालय परिसर स्थित सरस्वती मंदिर में भी विशेष पूजा-अर्चना की गई। पूजन उपरांत हवन, आरती एवं प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के डायरेक्टर डॉ. आशुतोष शर्मा ने कहा कि ऐसे पर्व और आयोजन हमें हमारी संस्कृति से जोड़ते हैं। वसंत पंचमी से वसंतोत्सव का आरंभ होता है, जो जीवन में उत्साह, उमंग और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। यह समय प्रकृति के उल्लास का प्रतीक है और हमें भी इसी भावना के साथ जीवन को आनंदमय बनाना चाहिए। कार्यक्रम में विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से प्राचार्य प्रेरणा रावत, आरके सिंह, राजेंद्र रघुवंशी, विक्रांत खंपरिया, शिखा खंपरिया, मेहा श्रीवास्तव, स्वाति खंपरिया, सत्यजीत शर्मा, सुमिता द्विवेदी, लीना देवासकर, सचिन खंपरिया, अमित माहेश्वरी सहित अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

मुख्य सचिव श्री जैन ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर दिलायी शपथ

अनोखा तीर, भोपाल। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने मंत्रालय स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल पार्क में 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस की मंत्रालय सहित सतपुड़ा और विंध्याचल भवन के अधिकारी–कर्मचारियों को शपथ दिलायी। शपथ में अधिकारी–कर्मचारियों द्वारा देश की लोकतांत्रिक परम्पराओं की मर्यादा को बनाए रखने तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए, निर्भीक होकर, धर्म,वर्ग , जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करने की शपथ ली गयी। मुख्य सचिव श्री जैन ने सभी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस की शुभकामनाएं भी दीं। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव श्री अशोक बर्णवाल, श्री के.सी गुप्ता, श्री शिवशेखर शुक्ला सहित मंत्रालय वल्लभ भवन, सतपुड़ा–विंध्याचल भवन के अधिकारी–कर्मचारी एवं पुलिस अधिकारी आदि उपस्थित थे।

मंदसौर के हर परिवार को मिलेगा शुद्ध पेयजल

उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने रामघाट में 11 करोड़ के नवीन फिल्टर प्लांट का किया भूमि-पूजन

अनोखा तीर, भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने कहा है कि नवीन फिल्टर प्लांट के निर्माण से मंदसौर शहर के प्रत्येक परिवार को शुद्ध एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा गुरुवार को रामघाट, मंदसौर में अमृत 2.0 योजना में 11 करोड़ 11 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाले नवीन फिल्टर प्लांट, वॉटर टैंक एवं डिस्ट्रीब्यूशन पाइप लाइन के भूमि-पूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि नगर की बढ़ती आबादी को ध्यान में रखते हुए नए और आधुनिक फिल्टर प्लांट का निर्माण अत्यंत आवश्यक है। यह परियोजना मंदसौर की पेयजल व्यवस्था को दीर्घकालिक रूप से सुदृढ़ बनाएगी। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने बताया कि शहरी क्षेत्रों में अमृत 2.0 योजना तथा ग्रामीण क्षेत्रों में जल जीवन मिशन के माध्यम से सरकार द्वारा पीने के पानी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का संकल्प है कि देश के हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचे और वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट बनाया जाए। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि बिजली, स्वच्छता और जल जैसी मूलभूत सुविधाएं बनाए रखना केवल सरकार की ही नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। सभी नागरिकों को अपने शहर, गांव और घर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाए रखने में सक्रिय सहभागिता करनी चाहिए। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने फिल्टर प्लांट परिसर का अवलोकन भी किया।

सार-समाचार

नाक-कान-गला रोगों का आयुर्वेदिक पद्धति से हो रहा उपचार

अनोखा तीर, बैतूल। जिला आयुर्वेद चिकित्सालय टिकारी में नाक, कान और गले से संबंधित रोगों के उपचार की सुविधा उपलब्ध है। बताया गया कि यहां आयुर्वेद शालाक्य तंत्र विभाग के अंतर्गत विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. रीना चौकीकर द्वारा मरीजों का उपचार किया जा रहा है। चिकित्सालय में आधुनिक निदान के साथ आयुर्वेदिक पद्धति से रोगों की पहचान कर क्रियाकल्प चिकित्सा के माध्यम से इलाज किया जाता है। शालाक्य तंत्र

विभाग में कर्ण रोग, नासा रोग, गले के रोग, मुख रोग और शिरोरोग शामिल हैं। आयुर्वेद में क्रियाकल्प चिकित्सा स्थानीय उपचार की विशेष प्रक्रिया है, जिसमें क्रिया का अर्थ चिकित्सा तथा कल्प का अर्थ प्रक्रिया होता है। इसका उद्देश्य आंखों की सफाई, पोषण और रोगों को दूर करना बताया गया है। डॉ. चौकीकर ने जानकारी दी कि क्रियाकल्प चिकित्सा में नस्य कर्म के अंतर्गत नाक में औषधीय तेल डालना, शिरोरोगों में शिरोधारा तथा नेत्र रोगों में तर्पण जैसी प्रक्रियाएं शामिल हैं। इस चिकित्सा पद्धति के माध्यम से कम सुनाई देना, कान का बहना, माइग्रेन, क्रॉनिक साइनसाइटिस, टॉन्सिल की समस्या, आंखों में एलर्जी, जलन, सूखापन, मोतियाबिंद की शुरुआती अवस्था सहित अन्य विकारों का उपचार विशेषज्ञ की देखरेख में किया जाता है।

एक दिवसीय बाढ़ आपदा प्रबंधन मॉकड्रिल का किया आयोजन

अनोखा तीर, देवास। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा एक दिवसीय बाढ़ आपदा प्रबंधन मॉकड्रिल का अभ्यास मीठा तालाब देवास में किया गया। मॉकड्रिल में पुलिस, स्वास्थ्य, अग्निशमन और जिला प्रशासन की टीम, एनसीसी कैडीडेट्स शामिल थे। प्रतिभागियों को आपदा प्रबंधन उपकरण की प्रदर्शनी का अवलोकन कराया गया एवं बाद भूकंप अग्नि सुरक्षा बज्रपात से संबंधित ब्रोशर का वितरण भी किया गया। डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट ने मॉकड्रिल के परिदृश्य की जानकारी देते हुए बताया कि अचानक मीठा तालाब का जल स्तर बढ़ने से टापू पर 03 व्यक्तियों के फंसने की सूचना कंट्रोल पुलिस रूम से सूचना प्राप्त होने पर रेस्क्यू ऑपरेशन एसडीईआरएफ एवं होमगार्ड की टीम द्वारा संचालित किया गया। फंसे हुए 03 व्यक्तियों को लाइफ जैकेट लाइफ, लाइफ रिंग, रस्से एवं मोटर बोट द्वारा सुरक्षित बाहर निकाला गया। 02 व्यक्ति गंभीर थे, जिन्हें जिला अस्पताल की एंबुलेंस के माध्यम से तत्काल हॉस्पिटल पहुंचाया गया एवं 01 व्यक्ति को मौके पर फर्स्ट एड दिया गया।

पत्रकारों ने मां सरस्वती का पूजन किया

अनोखा तीर, कन्नौद। ज्ञान की देवी मां सरस्वती का जन्मदिन नगर के पत्रकारों ने बड़केश्वर महादेव मंदिर पर प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी धूमधाम

से मनाया। पं. मधुसूदन शर्मा व पं. कमलेश शर्मा के साथ ही पत्रकारों ने मां सरस्वती की पूजा-अर्चना की। कार्यक्रम में पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष जोरावर सिंह फौजी तथा सेवानिवृत शिक्षक रामानंद उपाध्याय के साथ ही बड़ी संख्या में पत्रकार उपस्थित थे। इस अवसर पर पत्रकारों की ओर से पंडितों का सम्मान किया गया।

अयोध्या सेवा समिति ने तीसरे वर्ष भी किया विशाल भंडारे का आयोजन

अनोखा तीर, बैतूल। अयोध्या सेवा समिति सदर बैतूल द्वारा शुक्रवार को लगातार तीसरे वर्ष स्वागत काफी हाउस के पास विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। यह भंडारा अयोध्या में भगवान श्री राम लला की प्राण प्रतिष्ठा दिवस के उपलक्ष्य में लगातार आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम की

शुरुआत भगवान श्री राम की विधिवत आरती और पूजन के साथ की गई। इसके पश्चात कन्यापूजन कर भंडारे का शुभारंभ हुआ। भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और हजारों लोगों ने प्रसादी ग्रहण की। आयोजन स्थल पर दिनभर श्रद्धालुओं का आवागमन बना रहा और पूरे क्षेत्र में धार्मिक वातावरण देखने को मिला। समिति के सदस्यों ने व्यवस्था संभाली और श्रद्धालुओं को श्रद्धा भाव से प्रसादी वितरित की गई।

नियमों की अनदेखी पर आरटीओ की कड़ी कार्यवाही

- 10 माह में 296 चालकों के लाइसेंस निलंबित

अनोखा तीर, देवास। कलेक्टर ऋतुराज सिंह के निर्देशानुसार जिले में परिवहन विभाग द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। जिला परिवहन अधिकारी श्रीमती निशा चौहान ने बताया कि दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और यातायात व्यवस्थाओं को सुरक्षित बनाने की दिशा में कई प्रकरणों का निराकरण करते हुए कार्यवाही की गई है। जिसमें अप्रैल 2025 से जनवरी 2026 तक कुल 10 माह में आए प्रकरणों पर कार्यवाही कर 296 चालकों के लाइसेंस निलंबित किये गए हैं। जिसमें मुख्यत : ऐसे वाहन चालक जो शहरी मार्गों एवं व्यस्तम मार्गों पर तय सीमा से अधिक गति से अपने वाहनों तेज गति से दौड़ाते पाए गए, यातायात नियमों का उल्लंघन करते, सिग्नल जंप करने पर, नो पार्किंग में अपने वाहन खड़ा करने एवं शराब पीकर वाहन चलाते पाए गए उन चालकों के विरुद्ध आरटीओ अधिकारी द्वारा लाइसेंस निलंबित करने की कार्यवाही की गई। आरटीओ अधिकारी निशा चौहान ने बताया कि वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करना चाहिए, दो पहिया वाहन पर 3 सवारी नहीं बैठना चाहिए, सभी अभिभावकों को अपने नाबालिग बच्चों को वाहन चलाने नहीं देना चाहिए, दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का उपयोग अनिवार्य रूप से करना चाहिए, सभी दस्तावेज साथ में रखना चाहिए, शराब का सेवन कर वाहन नहीं चलाना चाहिए, वाहन की नंबर प्लेट एचएसआरपी होना चाहिए।

मां नर्मदा का तट ऐसा है जहां संत, गुरु मां नर्मदा से हमारा मिलन करते हैं : शुभम कृष्ण शास्त्री

दादाजी धाम खातेगांव में चल रहा सात दिवसीय पार्थेश्वर पूजन व नर्मदा पुराण का आयोजन

अनोखा तीर, खातेगांव।

नगर में श्री दादाजी परहित सेवा संस्थान खातेगांव द्वारा गुरुदेव साधक संत दादा भाई के जन्मोत्सव पर श्रीमद्भागवत कथा एवं मां नर्मदा के जन्मोत्सव पर पार्थेश्वर पूजन का दिव्य आयोजन किया जा रहा है। जहां कथा व्यास पं. शुभम कृष्ण शास्त्री काकड़दी उज्जैन ने उपस्थित जनसमूह को मां नर्मदा पुराण का रसपान कराया।

वहीं उन्होंने आगे कहा कि संत कृपा क्या है, गुरु कृपा क्या है। इसको जिसने जान लिया, उसका जीवन सार्थक हो जाता है। मां नर्मदा का तट ऐसा ही है जहां संत, गुरु मां नर्मदा से हमारा मिलन करते हैं। जैसे साधक संत गुरुदेव दादा भाई है जो हमें बार-बार अवसर प्रदान कर रहे हैं और प्रभु के समीप हमें पहुंचा रहे हैं। आज मां नर्मदा पुराण का जो पवन सौभाग्य हमको मिला है ये संत दादाभाई की ही कृपा है। नर्मदा पुराण का श्रवण करना भी नर्मदा परिक्रमा के समान ही पूर्ण फलदाई है।

गुरुदेव दादा भाई जैसे संत का जन्म उत्सव अचला सप्तमी मां नर्मदा जन्मोत्सव के दिन होना निश्चित ही उन पर भी गुरु कृपा है। आज हम सब उनकी कृपा से इस प्रकार के दिव्य अनुष्ठान कर पा रहे हैं। मां नर्मदा के ओंकार पर्वत की महिमा बड़ी निराली है, विश्व की एकमात्र ऐसी नदी मां नर्मदा है जिसकी परिक्रमा करने से मन वांछित फल प्राप्त होता है। ओमकार शब्द साधारण नहीं है, पूर्ण ब्रह्म है ओम का उच्चारण करने से मनचाहा फल मिलता है। मां नर्मदा के प्रत्येक घाट पर साधु संत सेवा करके अपना जीवन धन्य बनाते हैं।

पार्थेश्वर पूजन एवं व्यास पीठ का पूजन कर लिया आशीर्वाद- कथा परिसर में पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष निलेश जोशी, पार्षद प्रतिनिधि कमल कासलीवाल, समाज सेवी दुलीचंद अग्रवाल, सुरेश चंद्र अग्रवाल, शिक्षक शालिग्राम दुरान्द, रामदयाल रावरिया, कथा के यजमान दौलत रावरिया, ओम पटेल भीलखेड़ी, पूनम बिश्नोई, अमृतलाल बागबान, प्रदीप साहू, सतीश सोनी, माखन जोशी, पं. सत्यनारायण दुबे, सुमंत दुबे ने व्यास पीठ का पूजन किया। कथा परिसर में यजमान परिवार में पार्थेश्वर पूजन कर आशीर्वाद लिया।

सरस्वती पूजन किया- कथा परिसर में 23 जनवरी बसंत पंचमी के पावन अवसर पर मां सरस्वती का चिंतन करते हुए मां सरस्वती की महिमा का गुणगान किया गया। कथा परिसर में मां सरस्वती की जीवंत झांकी के रूप में कोमल साहू ने अपने प्रस्तुति दी। कथा परिसर में उपस्थित जनसमूह में सरस्वती पूजन करते हुए मां सरस्वती का पूजन का आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर समिति की ओर से कोमल साहू, निलेश जोशी, कमल कासलीवाल का नागरिक अभिनंदन किया गया।

हमारे राष्ट्र नायक पराक्रम और कुशल प्रशासन के प्रतिक : पंवार

- बसंत पंचमी के अवसर पर राजा भोज सहित नेताजी सुभाषचंद्र बोस को किया नमन

अनोखा तीर, बैतूल। बसंत पंचमी के पावन अवसर पर राजा भोज की जन्म जयंती माना रहे हैं। जिन्हें अपनी बुद्धिमता पराक्रम और कुशल प्रशासन के तौर पर भारत वर्ष याद करता है। इस अवसर पर उनके आदर्श और मुल्यों को अपनाने का हम संकल्प लेते हैं। दसवीं सदी के अंतिम दशक मे जन्मे राजा भोज के 55 वर्षो का राजकाज ज्योतिष, आयुर्वेद, व्याकरण और वास्तुशिल्प का उत्कृष्ट उदाहरण है। उक्त उदगार भाजपा जिलाध्यक्ष सुधाकर पंवार ने राजा भोज की जयंती के अवसर पर प्रकट करते हुए कहा कि राजा भोज ने भोपाल शहर की स्थापना की और कई मंदिर व संरचनाओं का निर्माण किया। इसके बाद जिला भाजपा कार्यालय विजय भवन में पराक्रम दिवस के रूप में नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जयंती भी मनाई गई। जहां उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए श्री पंवार ने कहा कि भारत को ब्रिटिश शासन से मुक्त कराने के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले नेताजी आजाद हिन्द फौज के कमांडर थे। नेताजी ने भारत की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहूती दी। उनकी विरासत हमें आज भी प्रेरित करती है। नेताजी के साहस और बलिदान को याद करने के लिए हम नेताजी की जन्मजयंती पर पराक्रम दिवस मनाते है। उनकी विरासत और आदर्शों को कभी भूलाया नहीं जा सकता है। इस दौरान जिलाउपाध्यक्ष इंद्रपाल पुण्डे, जिला महामंत्री कृष्णा गायकी, डॉ. महेन्द्रसिंह चौहान, जिलाकोषाध्यक्ष दीपक सलूजा, मंडल अध्यक्ष विकास मिश्रा, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष भास्कर मगरदे, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष ममता मालवी, सतीश महाते, अंशुल राजपुत, आशीष पंवार, प्रवीण वराठे, कुणाल शर्मा, माधुरी साबले, सुनिता देशमुख, वर्षा खाडे, नीलम वागद्रे, कविता मालवी, कृष्णा अमरूते, मीना बोरबन, नीतू नानकर सहित बडी संख्या में पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मां सरस्वती का पूजन व सुभाषचंद्र बोस की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

अनोखा तीर, देवास। प्रेस क्लब देवास द्वारा प्रति वर्षानुसार शुक्रवार को बसंत पंचमी के पावन अवसर पर मां सरस्वती पूजन का गरिमामय आयोजन किया गया। यह आयोजन शहर के वरिष्ठ नागरिक सभागृह में शुभ मुहूर्त में विधि-विधान एवं श्रद्धा भाव के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मां सरस्वती जी के चित्र को पीले पुष्पों से आकर्षक रूप से सजाया गया। मां को फल, पंच मिठाई और केसरिया भात का भोग लगाया गया। उपस्थित पत्रकार साथियों व वरिष्ठजनों ने मां सरस्वती जी की पुजन कर ज्ञान, बुद्धि, विवेक एवं सद्बुद्धि की कामना की। पूरे सभागृह में भक्तिमय वातावरण बना रहा। पूजन उपरांत सभी उपस्थित सदस्यों द्वारा जवाहर नगर स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। इस अवसर पर देशभक्ति एवं सामाजिक चेतना से जुड़े विचार भी व्यक्त किए गए। जिसमें सौहार्दपूर्ण वातावरण में पत्रकारों और वरिष्ठ जनों ने सहभागिता की।

हिंदू समाज संगठित होकर ही अपनी धर्म संस्कृति, परंपरा को सुरक्षित रख सकता है : रामदास महाराज

विराट हिंदू सम्मेलन का ऐतिहासिक आयोजन

अनोखा तीर, कांटाफोड़। क्षेत्र में गुरुवार को विराट हिंदू सम्मेलन का भव्य एवं ऐतिहासिक आयोजन उत्साह और श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ। सम्मेलन में दूर-दराज से बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी, संत-महात्मा, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक शामिल हुए। पूरे आयोजन स्थल को भगवा ध्वजों, धार्मिक प्रतीकों एवं बैनरों से सजाया गया, जिससे वातावरण पूर्णतः धर्ममय और उत्सवपूर्ण बना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्वलन द्वारा किया गया।

इसके पश्चात उपस्थित संतों एवं प्रमुख वक्ताओं ने अपने उद्बोधन में सनातन धर्म की महत्ता, उसकी गौरवशाली परंपरा तथा वर्तमान समय में उसके संरक्षण की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। संत रामदास जी ने कहा कि हिंदू समाज की शक्ति उसकी एकता में निहित है और समाज को संगठित रहकर ही अपनी संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों की रक्षा करनी होगी। हिंदू सम्मेलन में सामाजिक समरसता का उदाहरण देते हुए नगर के समस्त समाजों के प्रतिनिधियों को कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में बुलाकर उनका शॉल-श्रीफल देकर उनका सम्मान किया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग के सामाजिक समरसता प्रमुख कन्हैया विश्वकर्मा एवं विश्व हिंदू परिषद की जिला उपाध्यक्ष आंजना राजावत ने संबोधित करते हुए कहा कि सामाजिक समरसता, राष्ट्रवाद, युवाओं में संस्कार निर्माण, नशामुक्ति, शिक्षा एवं सेवा कार्यों को बढ़ावा देने जैसे विषयों पर भी गंभीर चर्चा की गई।

वक्ताओं ने युवाओं से आह्वान किया कि वे मोबाइल और नशे जैसी बुराइयों से दूर रहकर राष्ट्र निर्माण और समाज सेवा के कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाएं। महिलाओं की भूमिका पर भी विशेष रूप से प्रकाश डालते हुए कहा गया कि संस्कारित परिवार और मजबूत समाज की नींव मातृशक्ति के हाथों में होती है। कार्यक्रम के दौरान समाज सेवा, धार्मिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों और संगठनों का सम्मान भी किया गया। भजन-कीर्तन, जयघोष एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सम्मेलन में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार किया। पूरा पंडाल जय श्रीराम और सनातन धर्म की जय के नारों से गूंज उठा। सम्मेलन के अंत में सभी उपस्थितजनों ने हिंदू समाज की एकता बनाए रखने, सनातन संस्कृति की रक्षा करने, सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने तथा राष्ट्रहित में निरंतर कार्य करने का सामूहिक संकल्प लिया। आयोजकों ने सम्मेलन की सफलता पर सभी सहयोगियों, समाजसेवियों एवं उपस्थित नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे जनजागरणकारी आयोजनों की निरंतरता बनाए रखने की बात कही। कार्यक्रम का संचालन राजेंद्र मालवीया द्वारा किया गया।

गणेश मंदिर में हुई चोरी का एसडीओपी ने प्रेसवार्ता कर किया खुलासा

दो आरोपी गिरफ्तार, आरोपियों का इंदौर में हुई चेन स्नेचिंग की घटनाओं में भी हाथ

अनोखा तीर, कांटाफोड़। नगर के प्राचीन गणेश मंदिर में 24 अगस्त की रात को हुई चोरी का कांटाफोड़ पुलिस ने प्रेसवार्ता कर खुलासा किया है। जिसमें दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, मंदिर में हुई चोरी की सामग्री भी जप्त की गई

है। देवास पुलिस अधीक्षक पुनित गेहलोत एडिशनल एसपी सौम्या जैन के निर्देशन, एसडीओपी सृष्टि भार्गव के मार्गदर्शन में कांटाफोड़ थाना प्रभारी सुरेखा निमोदा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आपरेशन त्रिनेत्रम के अंतर्गत आरोपी रोहित पिता राजेश एवं नंदलाल पिता अशोक को गिरफ्तार किया है। प्रेसवार्ता में जानकारी देते हुए एसडीओपी सृष्टि भार्गव ने बताया कि आरोपियों ने दो चांदी के मुकुट, तीन चांदी के कड़े, एक चांदी की माला एवं दान पेटी से चार हजार रुपए चुराना कबूला है, जो आरोपियों के इंदौर स्थित मकान से पुलिस ने बरामद किया गया है। इस चोरी की घटना के कुछ दिन बाद ही आरोपी इंदौर के अलग-अलग थानों में चेन स्नेचिंग के मामले में पकड़े गए थे। कांटाफोड़ पुलिस ने आरोपियों से चुराया गया मशरूका जप्त किया है, जिसकी कीमत करीबन एक लाख पचास हजार रुपए है। इस खुलासे में थाना प्रभारी सुरेखा निमोदा, उपनिरीक्षक विनय बघेल, केएन परमार, प्रधान आरक्षक रामवीर सौलंकी, अशोक शर्मा, यतीश तिवारी, सुनील गोफनिया, सुरेश चरपोटा, श्रवण दायमा, सचिन चौहान, सायबर सेल देवास आरक्षक संजय राजावत, दिनेश भांवर की सराहनीय भूमिका रही।

54 हिंदू जोड़ों ने लिए सात फेरे व 27 मुस्लिमों ने पढ़ा निकाह

81 जोड़ों ने थामा एक-दूसरे का हाथ

अनोखा तीर, देवास। मुख्यमंत्री कन्या विवाह, निकाह सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत भव्य सम्मेलन का आयोजन हुआ। यह कार्यक्रम कृषि उपज मंडी क्रं-2 में आयोजित हुआ, जहां कुल 81 जोड़ों का सामूहिक विवाह संपन्न कराया गया। इनमें 54 हिंदू विवाह और 27 मुस्लिम निकाह शामिल रहे। समारोह में नवविवाहित जोड़ों को पारंपरिक रीति-रिवाजों और धार्मिक विधियों के साथ विवाह बंधन में बांधा गया। आयोजन को लेकर वर-वधू और उनके परिजनों में खासा उत्साह देखा गया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष रायसिंह सेंधव, देवास विधायक गायत्री राजे पवार, नगर निगम महापौर गीता दुर्गेश अग्रवाल और सभापति रवि जैन विशेष रूप से उपस्थित रहे। साथ ही नगर निगम के अन्य जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक भी कार्यक्रम

में शामिल हुए। राज्य सरकार की योजना के तहत नवविवाहित जोड़ों को आवश्यक सामग्री और आर्थिक सहायता प्रदान की गई, जिससे विवाह समारोह सम्मानजनक ढंग से संपन्न हो सके। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक गायत्री राजे पवार ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए एक बड़ी सहारा साबित हो रही है। यह योजना बेटियों के विवाह का आर्थिक बोझ कम करने के साथ सामाजिक सम्मान भी सुनिश्चित करती है। भाजपा जिलाध्यक्ष रायसिंह सेंधव ने कहा कि राज्य सरकार समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और ऐसी योजनाएं सामाजिक समरसता को मजबूत करती हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक प्रहलाद शर्मा द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, देशबंधु परिसर, प्लॉट नं.26-बी, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल,म.प्र. से मुद्रित अनोखा तीर कार्यालय नया बस स्टैंड के सामने, हरदा, म.प्र. से प्रकाशित। **प्रधान संपादक** सुरेश लोहाना / **संपादक** प्रहलाद शर्मा / **प्रबंध संपादक** महेश कौशिक। फोन : 07577-226771 मो.9425045480, समाचार चयन के लिए पी.आर. बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। **सभी विवादों का न्याय क्षेत्र हरदा रहेगा।**

सरस्वती विद्या मंदिर में बसंत पंचमी पर हुआ विद्यारंभ संस्कार

अनोखा तीर, हरदा। बसंत पंचमी का दिन सरस्वती विद्या मंदिर, हरदा के लिए नई उम्मीदों और नई शुरुआत का साक्षी बना। विद्यालय परिसर में आयोजित विद्यारंभ संस्कार के माध्यम से न केवल ज्ञान की देवी मां सरस्वती की आराधना की गई, बल्कि 50 से अधिक बच्चों के जीवन में अक्षर ज्ञान का शुभारंभ भी हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चार एवं पावन हवन के साथ की गई। मुख्य अतिथि मनोज परासर के सानिध्य में पालकों एवं बच्चों ने यज्ञ में आहुति देकर ज्ञान की ज्योति प्रज्वलित की। मनोज परासर ने अपने उद्बोधन में कहा कि आधुनिक युग में भी भारतीय संस्कारों की प्रासंगिकता बनी हुई है। उन्होंने कहा कि विद्या वह धन है जो बांटने से बढ़ता है और इसकी नींव संस्कारों पर ही रखी जानी चाहिए। समारोह का सबसे भावुक क्षण तब आया जब मुख्य अतिथि एवं गुरुजनों के मार्गदर्शन में नन्हे बच्चों ने पहली बार कलम पकड़कर अक्षर उकेरे। विद्यारंभ संस्कार का यह दृश्य प्राचीन गुरुकुल परंपरा की स्मृति को जीवंत करता नजर आया। इस गरिमामयी आयोजन में विद्यालय की प्रबंध समिति एवं नेतृत्व की महत्वपूर्ण भूमिका रही। प्रबंधक संदीप केकरे ने पालकों के प्रति आभार व्यक्त किया। प्राचार्य देवानंद सोनार ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उप प्राचार्य आर.डी. राजपूत द्वारा कार्यक्रम की व्यवस्थाओं का कुशल संचालन किया गया। विद्यालय की इस पहल की पालकों द्वारा सराहना की गई। उनका कहना था कि यह आयोजन बच्चों को औपचारिक शिक्षा से पूर्व अपनी संस्कृति, परंपरा और संस्कारों से जोड़ने का सार्थक प्रयास है।

पिनेकल एकेडमी में हर्षोल्लास से मनाया बसंत पंचमी उत्सव

अनोखा तीर, हरदा। पिनेकल एकेडमी में बसंत पंचमी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के पूजन एवं वंदना के साथ हुई, जिसमें विद्यार्थियों ने श्रद्धा भाव से प्रार्थना की। फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में जिला समन्वयक स्वदेशी जागरण मंच योगमाया शर्मा, समाजसेविका एवं सॉफ्टवेयर डेवलपर डॉ. शिवांगी अग्रवाल, आंत्रप्रेन्योर एवं फ्रीलांसर कृतिका हाशाणी तथा संचालक सुल्ताना खान उपस्थित रहीं। पिनेकल एकेडमी के संचालक अब्दुल सईद खान ने बसंत पंचमी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस दिन मां सरस्वती का पूजन कर विद्या की कामना की जाती है। पौराणिक कथाओं के अनुसार इसी दिन भगवान राम शबरी के घर पधारे थे, इसलिए यह दिन विशेष महत्व रखता है। मुख्य वक्ता योगमाया शर्मा ने कहा कि प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों में बेहतर करने की भावना विकसित होती है। फैंसी ड्रेस के माध्यम से विद्यार्थी विभिन्न महापुरुषों और देवी-देवताओं के स्वरूपों में सजकर उनके सिद्धांतों को आत्मसात करते हैं। आंत्रप्रेन्योर कृतिका हाशाणी ने आयोजन की सराहना करते हुए विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए पाठ्येत्तर गतिविधियों को आवश्यक बताया। वहीं डॉ. शिवांगी अग्रवाल ने कहा कि बच्चों की प्रतिभा को निखारने के लिए उन्हें मंच और निरंतर प्रोत्साहन मिलना चाहिए। प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने राम, मां सरस्वती, मां काली, भगत सिंह, सैनिक सहित विभिन्न रूपों में आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम का संचालन मैडम सोहा खान एवं मैडम ममता भाटी ने किया। आयोजन के दौरान संस्था परिवार द्वारा अतिथियों को मां तुलसी का पौधा एवं अभिनंदन पत्र भेंट किया गया। अंत में संस्था की प्राचार्य काजल पांडे ने आभार व्यक्त किया।

महर्षि ज्ञानपीठ हायर सेकेंडरी स्कूल में धूमधाम से मनाया बसंत उत्सव

अनोखा तीर, हरदा। बसंत पंचमी के पावन अवसर पर महर्षि ज्ञानपीठ हायर सेकेंडरी स्कूल, हरदा में बसंत उत्सव श्रद्धा, उल्लास और सांस्कृतिक वातावरण के साथ मनाया गया। इस दौरान विद्या, बुद्धि और कला की अधिष्ठात्री देवी माँ सरस्वती की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। पूजन कार्यक्रम में विद्यालय के समस्त स्टाफ सदस्यों के साथ-साथ विद्यार्थियों ने भी भाग लिया और माँ सरस्वती से ज्ञान, विवेक और सफलता का आशीर्वाद प्राप्त किया। पूजा के दौरान विद्यार्थियों ने माँ सरस्वती के वाद्य यंत्रों की भी विशेष पूजा की, जिससे बच्चों में संगीत, कला एवं संस्कृति के प्रति सम्मान की भावना विकसित हुई। बसंत उत्सव के अंतर्गत विद्यालय में येलो डे सेलिब्रेशन का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर छोटे-छोटे बच्चे पीले वस्त्र धारण कर विद्यालय पहुंचे और पीले फलों का भोग माँ सरस्वती को अर्पित किया गया। कार्यक्रम को और अधिक आकर्षक बनाते हुए बच्चे सनफ्लावर और आम के रूप में सजे-धजे नजर आए, जिससे पूरे परिसर में बसंत ऋतु की छटा बिखर गई। विद्यालय परिसर पीले रंग की सजावट, बच्चों की मुस्कान और भक्ति-भाव से सराबोर रहा। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति, पर्वों के महत्व एवं संस्कारों को आत्मसात कराना था। विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों ने बच्चों को बसंत पंचमी के महत्व के बारे में बताया और माँ सरस्वती से सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। बसंत उत्सव का यह आयोजन विद्यालय में आनंद, उल्लास और सांस्कृतिक चेतना का संदेश देकर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। संस्था के संचालक दीपक सिंह राजपूत ने सभी को बसंत पंचमी की शुभकामनाएं दी।

सार-समाचार

केंद्रीय विद्यालय में परीक्षा पे चर्चा अंतर्गत हुई क्विज प्रतियोगिता

अनोखा तीर, हरदा। परीक्षा पे चर्चा 2026 कार्यक्रम अंतर्गत केंद्रीय विद्यालय हरदा में ज्ञानवर्धक क्विज प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में जवाहर नवोदय विद्यालय चरुवा से एस्कॉर्ट शिक्षक बलवंत झोड के साथ विद्यार्थी शामिल हुए। इसके अलावा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भुन्नास से जितेंद्र पटेल, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अबगांव खुर्द से सोनिया साहू, जेनर एजुकेशन सिस्टम हरदा से जितेश मंडलेकर तथा संस्कार विद्यापीठ हरदा से संदीप

कश्यप अपने-अपने विद्यालयों के विद्यार्थियों के साथ प्रतियोगिता में सम्मिलित हुए। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर केंद्रीय विद्यालय हरदा के प्राचार्य प्रमोद कुमार कोरी द्वारा विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। उच्चतर माध्यमिक श्रेणी में जवाहर नवोदय विद्यालय के अमन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान संस्कार विद्यापीठ के हैत पटेल ने प्राप्त किया, जबकि तृतीय स्थान संस्कार विद्यापीठ के यश शर्मा एवं केंद्रीय विद्यालय हरदा के शौर्य सोनी ने प्राप्त किया। माध्यमिक श्रेणी में केंद्रीय विद्यालय के पर्व मान्करे ने प्रथम स्थान, वत्सला स्वामी ने द्वितीय स्थान तथा अन्वि सिंह गुर्जर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्राचार्य द्वारा सभी विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए गए तथा प्रतियोगिता में सहभागिता करने वाले सभी विद्यार्थियों को पुस्तकें एवं प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में शैक्षणिक जागरूकता, आत्मविश्वास एवं स्वस्थ प्रतियोगी भावना का विकास करना रहा। इस अवसर पर मनीषा महाजन, अमित श्रीवास्तव, सुखवीर सिंह राजपूत, प्रेम नारायण मेहरा, साहिल दहिया, पायल गुस्सैन, दुर्लभ सुनेरिया सहित सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं अतिथियों का सहयोग सराहनीय रहा।

पहला अक्षर, नई शुरुआत!

अनोखा तीर, । नन्हे आश्रय का विद्यारंभ संस्कार। बसंत पंचमी पर माँ सरस्वती का आशीर्वाद लेकर पढ़ाई का किया श्रीगणेश।

आज होगा अंतर्राष्ट्रीय रैपिड शतरंज टूर्नामेंट

अनोखा तीर, हरदा। जिले में पहली बार एक भव्य अंतर्राष्ट्रीय शतरंज टूर्नामेंट का आयोजन होने जा रहा है। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट हरदा जिला शतरंज संगठन के तत्वाधान में इंटरनेशनल स्टैंडर्ड के अनुरूप संपन्न होगा, जिसमें देश-प्रदेश सहित विभिन्न स्थानों के ख्याति प्राप्त और रेटेड खिलाड़ी अपने खेल का जौहर दिखाएंगे। इस टूर्नामेंट की तिथि शतरंज फेडरेशन द्वारा 24 जनवरी शनिवार निर्धारित की गई है। यह टूर्नामेंट कलेक्टर निवास के सामने, इंदौर रोड हरदा डिग्री कॉलेज में होगा, जिसमें देश-विदेश के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे।

धूमधाम से मनाया श्रीराम जन्मोत्सव

-खेड़ीपुरा में संगीतमय श्रीराम कथा का पंचम दिवस

अनोखा तीर, हरदा।

नगर के खेडीपुरा में मुख्य मार्ग पर आयोजित संगीतमय श्रीराम कथा का पंचम दिवस भावपूर्ण आयोजन के साथ संपन्न हुआ। कथा व्यास पं. विद्याधर उपाध्याय ने श्रीराम के जीवन प्रसंगों का सुंदर वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को धर्म, शिक्षा और गुरु-महिमा का संदेश दिया। इस अवसर पर मुख्य यजमान माखनलाल घागरे और भगत चंदेवा विशेष रूप से उपस्थित रहे। संगीतमय भजनों और जयघोषों से पूरा वातावरण भक्तिरस में सराबोर हो गया।

आयोजन समिति के राजू हरने और अनिल चन्देवा ने बताया कि पंचम दिवस की कथा में प्रभु श्रीराम के जन्मोत्सव, नामकरण, शिक्षा, विश्वामित्र आगमन, राक्षस वध, अहिल्या उद्धार एवं धनुष यज्ञ जैसे प्रमुख प्रसंगों का वर्णन किया गया। कथा के समापन पर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे और कथा स्थल देर तक जय श्रीराम के उद्घोषों से गूंजता रहा। कथा के दौरान अयोध्या नगरी में भगवान राम के जन्मोत्सव का उल्लेख किया गया, जहां माताएं एक-दूसरे को बधाइयां देती रहीं। कथा में यह भी बताया गया कि भगवान शंकर ज्योतिषी का रूप धारण कर प्रभु श्रीराम के दर्शन करने आए। गुरु वशिष्ठ ने चारों भाइयों का नामकरण किया। इसके बाद प्रभु ने माता को अपने विराट रूप के दर्शन कराए और यज्ञोपवीत संस्कार के बाद गुरुकुल जाकर अध्ययन हेतु प्रस्थान किया। कथा में ऋषि विश्वामित्र के आगमन का वर्णन करते हुए बताया गया कि उन्होंने राजा दशरथ से यज्ञ की रक्षा हेतु रामङ्कलक्ष्मण को साथ ले जाने का आग्रह किया।

पहले दशरथ ने मना किया, लेकिन जन-कल्याण के लिए प्रभु को ऋषि के साथ भेज दिया। कथा में राक्षस वध, अहिल्या उद्धार, ताड़का वध, मारीच और सुबाहु का सामना तथा लोक कल्याण के अन्य प्रसंगों का भी उल्लेख किया गया। विश्वामित्र जी के साथ प्रभु जनकपुरी गए, जहां शिव धनुष को कई राजाओं के प्रयास के बावजूद कोई हिला नहीं सका। गुरु की आज्ञा पाकर श्रीराम ने धनुष तोड़ा और माता सीता ने वरमाला पहनाकर विवाह संपन्न किया।

कथा में शिक्षा का महत्व, गुरु की महिमा, संतों का महत्व, धर्म और कर्म का संदेश, तथा संगठन और एकता की प्रेरणा भी दी गई। इस अवसर पर पूर्व मंत्री कमल पटेल भी कथा श्रवण हेतु पहुंचे, उन्होंने कथा व्यास से आशीर्वाद प्राप्त किया और कथा का लाभ लिया। श्रीराम विवाह प्रसंग को दो बालक-बालिकाओं द्वारा राम और सीता के रूप में मंचित किया गया, जिसे देखकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। समिति के योगेंद्र शर्मा, नवीन घाघरे और अनिल चन्देवा ने बताया कि आज की कथा में राम वनवास का प्रसंग सुनाया जाएगा।

गणतंत्र दिवस पर कलेक्टर करेंगे ध्वजारोहण

अनोखा तीर, हरदा।

26 जनवरी को गणतंत्र दिवस जिले में समारोहपूर्वक मनाया जाएगा। जिला स्तरीय कार्यक्रम हरदा के नेहरू स्टेडियम में आयोजित होगा। इस कार्यक्रम में कलेक्टर सिद्धार्थ जैन मुख्य अतिथि होंगे।

मिनिट टू मिनिट कार्यक्रम - निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्य अतिथि कलेक्टर सिद्धार्थ जैन प्रातः 9 बजे राष्ट्रीय ध्वज फहरायेंगे। इसके बाद मुख्य अतिथि परेड निरीक्षण करेंगे, मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन कर प्रातः 9:30 बजे मार्चपास्ट की सलामी लेंगे और इसके बाद प्रातः 9:45 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम स्कूली विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत किए जाएंगे तथा 10:15 बजे से झांकी प्रदर्शन होगा।

मुख्यमंत्री आज सशुल्क वृद्धाश्रम 'संध्या छाया' का करेंगे लोकार्पण

अनोखा तीर, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 24 जनवरी को प्रातः 11 बजे सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा नव निर्मित सर्व सुविधायुक्त, सशुल्क वृद्धाश्रम (संध्या-छाया) का पत्रकार कॉलोनी लिंक रोड न. 3 भोपाल में लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव लोकार्पण कार्यक्रम में राज्य स्तरीय स्पर्श मेला-2026 के विजेताओं को पुरस्कार तथा सिंगल क्लिक के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों 327 करोड़ की राशि अंतरित करेंगे। कार्यक्रम में सामाजिक न्याय दिव्यांगजन सशक्तिकरण, उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह, सांसद आलोक शर्मा, महापौर श्रीमती मालती राय, विधायक भगवान दास सबनानी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

मां नर्मदा को 551 मीटर की चुनरी अर्पित करेंगे विधायक दोगने

अनोखा तीर, हरदा। माँ नर्मदा के जन्मोत्सव के पावन पर्व पर 25 जनवरी रविवार प्रातः 11 बजे हरदा विधायक डॉ. रामकिशोर दोगने, हंडिया स्थित नर्मदा मंदिर में पूजन-अर्चन कर क्षेत्र की समृद्धि व खुशहाली की कामना करेंगे। इस अवसर पर वे जीवनदायिनी माँ नर्मदा को 551 मीटर लंबी चुनरी अर्पित करेंगे। ज्ञात हो कि हरदा विधायक डॉ. दोगने पिछले 13 वर्षों से माँ नर्मदा को नर्मदा जयंती के अवसर पर चुनरी अर्पित करते आ रहे हैं। हरदा विधायक डॉ. दोगने ने समस्त कांग्रेसजनों एवं क्षेत्रवासियों से इस कार्यक्रम में उपस्थित होकर आशीर्वाद देने की अपील की है।

तीन दिवसीय मां नर्मदा प्राकट्योत्सव की शुरुआत

-आज लोकगीत एवं रीति-रिवाज पर दी प्रस्तुति

अनोखा तीर, हरदा।

नार्मदीय ब्राह्मण समाज धर्मशाला में शुक्रवार को तीन दिवसीय मां नर्मदा प्राकट्योत्सव की शुरुआत हुई। सुबह समाजजनों ने बसंत पंचमी के अवसर पर मां सरस्वती एवं मां नर्मदा का पूजन कर नर्मदाष्टक एवं आरती की। दोपहर में समाज के कथावाचक, पंडित, आचार्य, 75 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के बुजुर्ग, पत्रकार, प्रतिभाशाली विद्यार्थी तथा समाज के चुनाव में भूमिका निभाने वाले सदस्यों का सम्मान किया गया। सम्मान कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रिटायर्ड जज अनिल पारे, नेचुरोपैथी डॉ. अम्बर पारे, वरिष्ठ समाजसेवी अरविंद बरगले, मुख्य ट्रस्टी अशोक पाराशर और महिला अध्यक्ष किरण काशिव मंचासीन रहे। मुख्य अतिथि अनिल पारे ने बसंत पंचमी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए समाज द्वारा आयोजित सम्मान समारोह की सराहना की। डॉ. अम्बर

पारे ने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में समर्पण भाव से कार्य करने वाले समाजजनों की कर्मठता और त्यागनिष्ठ भावना वंदनीय है। कार्यक्रम के दौरान समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाजजनों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन राजेंद्र पारे ने किया, जबकि अंत में आभार मुख्य ट्रस्टी अशोक पाराशर ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में ट्रस्टी राजेंद्र गुहा, दीपक शुक्ला, ऋषि पारे सहित समाजजन उपस्थित रहे।